website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

# रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 283 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 20 सितम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

## पीएम मोदी को ग्रीस के प्रधानमंत्री ने जन्मदिन की दीं शुभकामनाएं

### -भारत-ग्रीस संबंधों को मजबूत करने पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस से फोन पर बाचचीत की। इस दौरान ग्रीस के प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। वहीं पीएम मोदी ने ग्रीस के प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संदेश भारत-ग्रीस की मित्रता का प्रतीक है। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति की सराहना की और भारत-ग्रीस रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, शिपिंग, रक्षा, सुरक्षा, कनेक्टिविटी और जन-से-जन संबंधों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के सकारात्मक विकास पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मिट्सोटाकिस ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (India-EU FTA) को शीघ्र और पारस्परिक रूप से लाभकारी तरीके से संपन्न करने के लिए ग्रीस का मजबूत समर्थन भी व्यक्त किया। उन्होंने 2026 में

भारत द्वारा आयोजित किए जाने वाले एआई इम्पैक्ट समिट की सफलता की कामना की और कहा कि ग्रीस इस पहल को क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण मानता है। दोनों नेताओं ने इस बातचीत के दौरान क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए और सहमति व्यक्त की कि वे भविष्य में भी आपस में निरंतर संपर्क बनाए रखेंगे। यह वार्ता भारत और ग्रीस के बीच बढ़ते विश्वास, सहयोग और साझा दृष्टिकोण को और गहरा करने वाली रही।

## डूसू चुनाव में एबीवीपी की जीत पर अमित शाह और जेपी नड्डा समेत भाजपा के कई नेताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की जीत के बाद केंद्रीय मंत्रियों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बड़े नेताओं ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इस चुनाव में एबीवीपी के आर्यन मान ने अध्यक्ष पद जीता, कुणाल चौधरी ने सचिव पद जीता और दीपिका झा संयुक्त सचिव चुनी गईं।

**अमित शाह ने एबीवीपी की प्रचंड जीत पर परिषद के कार्यकर्ताओं को बधाई दी**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी की प्रचंड जीत पर परिषद के कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "यह जीत युवाओं की राष्ट्र प्रथम की विचारधारा में अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है। इस विजय से परिषद की छात्र शक्ति को राष्ट्र शक्ति में परिवर्तित करने की यात्रा को और अधिक गति मिलेगी।"

**जेपी नड्डा ने भी एबीवीपी की विजय पर युवा साथियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं**

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी एबीवीपी की विजय पर युवा साथियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, "स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलते हुए एबीवीपी ने सदैव युवाओं को राष्ट्रवाद और निस्वार्थ सेवा की भावना से प्रेरित किया है। यह विजय दर्शाती है कि युवा पीढ़ी 'राष्ट्र प्रथम' के संदेश को अपना रही है, जो भारत को एक उज्ज्वल और सुदृढ़ भविष्य की ओर ले जाएगा।"

**एबीवीपी की जीत पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया पर लिखा यह संदेश**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "यह जीत सिर्फ एक

संगठन की नहीं, बल्कि हर उस युवा की है जो राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, सेवा और संघर्ष को अपने जीवन का मार्ग मानता है। मुझे गर्व है कि मैंने भी दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप में यही संस्कार जिए और सीखे।"

उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, "यह परिणाम दिखाता है कि दिल्ली का युवा ज्ञान, शील और एकता के उस विचार और संघर्ष के पथ पर अडिग है जिसे एबीवीपी ने दशकों पहले स्थापित किया था। यही युवा शक्ति भविष्य में दिल्ली को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी और एक सशक्त, संस्कारित और आत्मविश्वासी राजधानी के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करेगी।"

**भाजपा सांसद रवि किशन ने भी विद्यार्थी परिषद के सभी कार्यकर्ताओं को दी बधाई**

भाजपा सांसद रवि किशन ने विद्यार्थी परिषद के सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने लिखा, "दिल्ली में भगवा रंग चढ़ा। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनाव में एबीवीपी को प्राप्त प्रचंड जीत पर विद्यार्थी परिषद के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। यह जीत एबीवीपी के प्रति विद्यार्थियों के अटूट विश्वास, विकसित विश्वविद्यालय के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रों के संकल्प और अभाविप के प्रति विद्यार्थियों के आशीर्वाद व स्नेह की जीत है।"

## आईफोन 17 लॉन्च पर भारतीयों में जोश, एप्पल बीकेसी स्टोर के बाहर लगी लंबी कतारें

टेक कंपनी एप्पल ने हाल ही में अपने यूजर्स के लिए आईफोन 17 सीरीज को लॉन्च किया है। भारत में इस नई आईफोन सीरीज की सेल शुक्रवार से शुरू हो चुकी है। इसी क्रम में देश में मौजूद एप्पल बीकेसी

स्टोर पर खरीदारों की भीड़ लग गई। कंपनी के नए मॉडल आईफोन एयर ने ग्राहकों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

**एप्पल के सीईओ टिम कुक ने एक्स पर बीकेसी स्टोर की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें स्टोर की पूरी डेकोरेशन को दिखाया गया**

एप्पल के सीईओ टिम कुक ने एक्स पर बीकेसी स्टोर की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें स्टोर की पूरी डेकोरेशन को दिखाया गया। इस तस्वीर में स्टोर की डेकोरेशन में एक ओर आईफोन 17 प्रो का बड़ा होर्डिंग और दूसरी ओर आईफोन एयर को डिस्प्ले किया गया है। आईफोन 17 सीरीज के खरीदारों ने बातचीत करते हुए खरीदारी को लेकर अपना उत्साह दिखाया।एक ग्राहक ने बताया कि उसने आईफोन 17 प्रो मैक्स खरीद लिया है, जबकि एक दूसरे ग्राहक ने कहा कि वह सुबह 2 बजे ही नए आईफोन को कॉस्मिक ऑरेंज कलर में खरीदने पहुंच गया था। उसने इस आईफोन के इस नए कलर को अद्त बताया।

**लेटेस्ट आईफोन 17 सीरीज खरीदने के लिए ग्राहक दिल्ली से मुंबई आए थे**

एक खरीदार ने कहा, "मैंने पहले ही दिन आईफोन 17 प्रो मैक्स खरीद लिया है। यह एक शानदार अनुभव था और उपलब्धता भी अच्छी थी। एप्पल ने इस साल कुछ नया पेश किया है।" दिल्ली के एक अन्य निवासी ने अपना अनुभव साझा किया, जो लेटेस्ट आईफोन 17 सीरीज खरीदने के लिए मुंबई आए थे। एक अन्य ग्राहक ने बताया कि उसने सुबह 6:30 बजे पहुंचकर दो आईफोन खरीदे।

**मुंबई-बीकेसी स्टोर पर एप्पल के कर्मचारियों ने पहले ग्राहकों का तालियों और उत्साह से स्वागत किया**

मुंबई-बीकेसी स्टोर पर एप्पल के कर्मचारियों ने पहले ग्राहकों का तालियों और उत्साह से स्वागत किया। देश के अन्य प्रमुख स्थानों पर भी इसी तरह के उत्सवी प्रदर्शन होने की उम्मीद है। पिछले कई वर्षों में, कुक, ग्रेग जोस्वियाक और डिएड्रे ओ'ब्रायन सहित एप्पल के अधिकारी न्यूयॉर्क शहर में एप्पल के फिफ्थ एवेन्यू स्टोर में नए आईफोन लॉन्च का जश्न मनाते रहे हैं।एप्पल ने 9 सितंबर को आईफोन 17 लॉन्च किया, जिसमें नया सेंटर स्टेज फ्रंट कैमरा, ऑप्टिकल-क्वालिटी 2x टेलीफोटो वाला 48एमपी फ्यूजन मेन कैमरा और एक नया 48एमपी फ्यूजन अल्ट्रा वाइड कैमरा है।

**नए सेरेमिक शील्ड 2 के साथ, फ्रंट कवर पहले से कहीं अधिक मजबूत बताया गया है**

कंपनी का दावा है कि प्रोमोशन के साथ 6.3 इंच का सुपर रेटिना एक्सडीआर डिस्प्ले बड़ा और चमकदार है। नए सेरेमिक शील्ड 2 के साथ, फ्रंट कवर पहले से कहीं अधिक मजबूत बताया गया है, जिसमें पिछली जनरेशन की तुलना में 3 गुना बेहतर स्क्रैच रेजिस्टेंस है। बेहतर परफॉर्मेंस के लिए यह फोन लेटेस्ट जनरेशन के ए19 चिप के साथ आता है।

## राहुल गांधी भारत को गृह युद्ध में फंसाना चाहते हैं : केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में 'वोट चोरी' के आरोपों के बाद 'जैन जी' पर सियासत तेज है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि देश के युवा छात्र और संविधान लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और 'वोट चोरी' को रोकेंगे। इस पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री

गिरिराज सिंह ने कहा कि वे भारत को गृह युद्ध में फंसाना चाहते हैं।

**यह दुर्भाग्यपूर्ण**

बिहार के बेगूसराय में मीडिया से बातचीत करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी हताश हैं। इसलिए वे कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नकल करते हैं और कभी 'जैन-जी' की बात करते हैं। ये कभी मुसलमानों को भड़काते हैं और कभी ऊल-जलूल बातें करते हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

**घुसपैठियों के मुद्दे पर भी दिया यह बयान**

गिरिराज सिंह ने घुसपैठियों के मुद्दे पर कहा कि पूरे भारत से घुसपैठियों को भगाना है। घुसपैठियों से भारत को मुक्त करना है। उन्होंने कहा, "इंदिरा गांधी ने इस बात को कहा था, लेकिन रोका नहीं था। बंगाल और बिहार इनका पनाहगार बन गया है। अब ये लोग भारतवंशियों के हक मार रहे हैं।"

**हम घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें बाहर निकाल रहे हैं**

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, "सिर्फ यह कहना कि 'पीएम मोदी के 11 साल, आपने क्या किया?' काफी नहीं होगा। मैं आपको बता रहा हूं कि जहां भी भाजपा की सरकारें हैं, हम घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें बाहर निकाल रहे हैं।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि घुसपैठियों को पनाह देने का काम मस्जिदों की छत्रछाया में हुआ।

**राष्ट्र के बिना सब कुछ अधूरा है**

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के इस बयान पर कि सभी मंदिरों, मस्जिदों और चर्चों में साप्ताहिक रूप से राष्ट्रगान बजाया जाना चाहिए, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, "राष्ट्रगान राष्ट्र के प्रति समर्पण के रूप में गाया जाता है। राष्ट्र के बिना सब कुछ अधूरा है। इसलिए राष्ट्र की गरिमा और गौरव को सदैव बनाए रखना चाहिए।"

राहुल गांधी की टिप्पणी पर बिहार सरकार में मंत्री विजय कुमार चौधरी ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, "यह उनकी हताशा और निराशा की भाषा है। वे देश में अराजकता की स्थिति लाना चाहते हैं। यह उनकी मानसिकता को दर्शाता है। संवैधानिक तरीके से वे सत्ता पाने में नाकाम रहे हैं। उनको लग चुका है कि सरकार उनको सत्ता में नहीं लाएगी। इसलिए राहुल गांधी बेबुनियाद और बिना सोची-समझी बात कर रहे हैं।"

## भावनगर के ज्वेलर ने बनाई पीएम मोदी की तस्वीर और 'कमल' के निशान वाली खास अंगूठी

गुजरात (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को गुजरात के भावनगर में रोड शो और विकास कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस अवसर पर, स्थानीय ज्वेलर जय

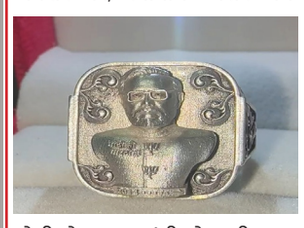

सोनी ने शुद्ध चांदी से बनी एक खूबसूरत अंगूठी तैयार की है, जिसमें पीएम मोदी की तस्वीर है। उन्होंने इस अंगूठी को प्रधानमंत्री को देने की इच्छा व्यक्त की है।

उन्होंने शुद्ध चांदी से एक खूबसूरत अंगूठी बनाई है। वह इस अंगूठी प्रधानमंत्री को भेंट करना चाहते हैं। जयभाई सोनी महाशक्ति ज्वेलर्स के मालिक हैं। जयभाई सोनी अपनी कलाकारी के लिए भावनगर में प्रसिद्ध हैं। उन्होंने कुछ महीने पहले क्रिकेटर विराट कोहली के लिए चांदी का एक छोटा विश्व कप बनाया था। इसके बाद उन्होंने चांदी की अंगूठी पर श्रीराम मंदिर भी बनाया था।

उन्होंने अब प्रधानमंत्री की छवि वाली अंगूठी बनाई है। उन्हें अंगूठी बनाने में 15 दिनों से ज्यादा का समय लगा, जिसमें कंप्यूटर वर्क और अन्य कार्य भी शामिल हैं। शहर के लोग भी उनके प्रयास की सराहना कर रहे हैं। जयभाई सोनी ने बताया कि इस अंगूठी को 20 सितंबर को प्रधानमंत्री जब भावनगर आएंगे तो उनसे मिलकर उन्हें देना है। उनकी प्रेरणा से प्रेरित होकर मैंने यह बनाया है।

उन्होंने बताया कि इस अंगूठी में 2014 लिखा है, जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने थे। इस अंगूठी में भाजपा का चुनाव चिह्न कमल भी बना है, जो देखने में काफी खूबसूरत लगता है। इसके साथ ही अंगूठी में 'मोदी की गारंटी' भी उकेरा गया है।

## मध्य प्रदेश में मेलियोडोसिस का खतरा: सीएम मोहन यादव ने तत्काल रोकथाम के दिए निर्देश

मध्य प्रदेश (एजेंसी)। एम्स भोपाल की चौंकाने वाली रिपोर्ट के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मेलियोडोसिस बीमारी को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। यह एक खतरनाक बैक्टीरियल बीमारी है जो टीबी (क्षय रोग) जैसी दिखती है और मध्य प्रदेश के धान किसानों के लिए बड़ा खतरा बन रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य के 20 से ज्यादा जिलों में मेलियोडोसिस के मामले मिले हैं। इसका सीधा संबंध धान की खेती बढ़ने और पानी के अधिक स्रोत बनने से है। यह बीमारी पैदा करने वाला बैक्टीरिया Burkholderia pseudomallei गीली मिट्टी और रुके हुए पानी में तेजी से पनपता है। सबसे ज्यादा खतरा धान के गीले खेतों में नंगे पांव काम करने वाले किसानों को है। इसके अलावा, शुगर (डायबिटीज) के मरीज और अत्यधिक शराब पीने वाले लोग भी इस बीमारी की चपेट में आसानी से आ सकते हैं। सीएम यादव ने स्वास्थ्य और कृषि विभाग के प्रमुख सचिवों को मिलकर जांच, इलाज और जागरूकता अभियान शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा, "किसानों और आम जनता का स्वास्थ्य और खुशहाली हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है,"। गांवों में लोगों को बीमारी के लक्षण और बचाव के तरीके बताए जाएंगे। अगर

किसी में लगातार बुखार, पुरानी खांसी या सीने में दर्द जैसे लक्षण दिखें और टीबी की दवा से ठीक न हो, तो तुरंत इलाज की व्यवस्था की जाएगी। उधर, एम्स भोपाल ने डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षित करना शुरू कर दिया है ताकि वे टीबी जैसी दिखने वाली इस बीमारी को पहचान सकें और सही एंटीबायोटिक दवाएं दे सकें। सरकार ने किसानों से अपील की है कि वे बरसात के बाद धान की खेती करते समय सावधानी बरतें और किसी भी अज्ञात बुखार या सांस की समस्या होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर पहचान और इलाज ही मौतों को रोकने का सबसे बड़ा उपाय है।

## अफगानिस्तान नीति पर ट्रंप का यू-टर्न, कहा- 'बगराम एयरबेस को फिर से एक्टिव करने पर विचार'

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आए दिन अपने फैसलों से दुनिया को हैरान कर रहे हैं। इस बार अमेरिकी प्रशासन ने अपनी अफगानिस्तान नीति में बदलाव किया है और बगराम एयरबेस को फिर से एक्टिव करने पर विचार किया जा रहा है।

**ट्रंप का यह खुलासा चीन के लिए भी परेशानी भरा है**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद यह खुलासा किया है कि उनका प्रशासन अफगानिस्तान में बगराम एयरबेस को फिर से कब्जे में लेने की कोशिश कर रहा है। ट्रंप का यह खुलासा चीन के लिए भी परेशानी भरा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने खुद कहा है कि चीन के परमाणु प्रतिष्ठानों के नजदीक होने के कारण बगराम एयरबेस पर उनके प्रशासन का कब्जा जरूरी है।

**ट्रंप ने कहा-हम इसे वापस लेने की कोशिश कर रहे हैं**

राष्ट्रपति ट्रंप गुरुवार को यूनाइटेड किंगडम के चेकर्स में ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस के बारे में ट्रंप ने कहा, "हम इसे वापस लेने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें हमसे चीजें चाहिए। हम उस बेस को वापस चाहते हैं। उस बेस को चाहने का एक कारण, जैसा कि आप जानते हैं, यह है कि यह चीन के परमाणु हथियार बनाने वाली जगह से एक घंटे की दूरी पर है।"

**अमेरिकी सैन्य अड्डा रहा है बगराम**

अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के चार साल बाद ट्रंप ने अपनी इस नीति को सार्वजनिक किया है। उन्होंने अफगानिस्तान की स्थिति के लिए पिछले बाइडेन प्रशासन की आलोचना भी की। बगराम राजधानी काबुल से 44 किलोमीटर उत्तर में स्थित है, जो अफगानिस्तान में सबसे बड़ा अमेरिकी सैन्य अड्डा रहा था। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब डोनाल्ड ट्रंप ने बगराम एयरबेस का मुद्दा उठाया है। मार्च में उन्होंने इस क्षेत्र पर बीजिंग के कंट्रोल का दावा किया था।

**बगराम चीन के परमाणु मिसाइलें बनाने वाली जगह से ठीक एक घंटे की दूरी पर**

ट्रंप ने कहा था, "अमेरिकी प्रशासन पहले भी बगराम को कब्जे में रखता, लेकिन यह सिर्फ अफगानिस्तान के कारण नहीं, बल्कि चीन के कारण, क्योंकि यह चीन के परमाणु मिसाइलें बनाने वाली जगह से ठीक एक घंटे की दूरी पर है।" चीन का नाम लेते हुए उन्होंने आगे कहा, "आप जानते हैं कि अभी इसे कौन कब्जा कर रहा है?" हालांकि, अफगानिस्तान में सत्तारूढ़ तालिबान अमेरिकी राष्ट्रपति के दावों को खारिज कर चुका है।

वहीं, तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक बयान में कहा, "बगराम पर इस्लामिक अमीरात (तालिबान शासन) का नियंत्रण है, चीन का नहीं। चीनी सैनिक यहां मौजूद नहीं हैं, और न ही हमारा किसी देश के साथ ऐसा कोई समझौता है।"

## सुप्रीम कोर्ट ने मैसूर दशहरा पर दाखिल याचिका खारिज की, कहा-भारत धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है!

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका बानू मुश्ताक को इस साल के मैसूर दशहरा समारोह का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किए जाने का विरोध किया गया था। अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा कि भारत का संविधान धर्मनिरपेक्ष मूल्यों पर आधारित है और राज्य सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम किसी निजी संस्था का आयोजन नहीं होता।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि मैसूर दशहरा केवल एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं है, बल्कि यह हिंदू धार्मिक परंपराओं और आस्थाओं से जुड़ा पवित्र अनुष्ठान है। इसकी शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और चामुंडेश्वरी देवी की पूजा से होती है। ऐसे में बानू मुश्ताक के रूप में एक मुस्लिम महिला को समारोह का उद्घाटन करने के लिए बुलाना परंपरा और धार्मिक भावनाओं के विरुद्ध है।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि 2017 में भी प्रसिद्ध मुस्लिम कवि निसार अहमद ने मैसूर दशहरा का उद्घाटन किया था। अदालत ने कहा कि हमारे संविधान की प्रस्तावना स्पष्ट करती है कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है। ऐसे में किसी भी धर्म विशेष के आधार पर भेदभाव करना न्यायोचित नहीं है।

बता दें कि बेंगलुरु के एक निवासी, एचएस गौरव की ओर से दायर पीआईएल में कहा गया कि दशहरा के उद्घाटन को हिंदू परंपरा का अभिन्न हिस्सा घोषित किया जाना चाहिए और इसे हिंदू गणमान्य व्यक्ति द्वारा ही किया जाना चाहिए।

शीर्ष अदालत के समक्ष दायर एसएलपी में कर्नाटक हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें मैसूर दशहरा के उद्घाटन के लिए बानू मुश्ताक को आमंत्रित करने के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली जनहित याचिकाओं (पीआईएल) को खारिज कर दिया गया था। मैसूर दशहरा के उद्घाटन के दौरान देवी चामुंडेश्वरी को फूल चढ़ाने की परंपरा है

और विपक्षी बीजेपी इस बात पर आपत्ति जता रही है कि बानू मुश्ताक दूसरे धर्म से हैं।

कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विभू बाखरू और जस्टिस सीएम जोशी की बेंच ने 15 सितंबर को अपने फैसले में कहा था कि किसी के भी अधिकार का उल्लंघन नहीं हुआ है और कहा कि विजय दशमी का त्योहार पूरे देश में मनाया जाता है और यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

हालांकि, विपक्ष ने मैसूर दशहरा के उद्घाटन के लिए बानू मुश्ताक को आमंत्रित करने के राज्य सरकार के फैसले को 'गलत' बताया है और याचिकाकर्ताओं ने यह भी दावा किया कि बुकर प्राइज विजेता ने हिंदू विरोधी बयान दिए थे और कन्नड़ भाषा के खिलाफ टिप्पणी की थी। वहीं, कर्नाटक सरकार का कहना है कि मैसूर दशहरा इस क्षेत्र का त्योहार है, न कि कोई धार्मिक कार्यक्रम।

## हिमाचल के किन्नौर में बादल फटने से भारी तबाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में बादल फटने से थाच गांव में बाढ़ और भारी नुकसान हुआ। शुक्रवार तड़के करीब 12:10 बजे हुई इस घटना में पास के तीन नाले अचानक उफान पर आ गए, जिससे दो वाहन बह गए और खेत, बागान और घर भी क्षतिग्रस्त हो गए।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बाढ़ का पानी गांव में आने पर लोग घबराकर अपने घरों से भागकर पास के जंगल की ओर भाग गए। प्रवीण मोयन और हरी बिष्ट के वाहन बाढ़ में बह गए। मस्तन गांव में घरों और गौशाला का कुछ हिस्सा भी बाढ़ में बह गया। कई बागान नष्ट हो गए और रणवीर समेत तीन ग्रामीणों के घर गिरने की कगार पर हैं।

**राज्य में बारिश का कहर जारी**

हिमाचल प्रदेश में मानसून की बारिश और आपदाएं लगातार कहर बरपा रही हैं। राजधानी शिमला में एडवर्ड स्कूल के पास भूस्खलन से ट्रैफिक बाधित हुआ और शहर की मुख्य सर्कुलर रोड बंद करनी पड़ी। कुमासरन के करेवाथी इलाके में तीन मंजिला घर गिरने से राज्य में भारी बारिश का असर और बढ़ गया। तीन नेशनल हाईवे सहित 650 से अधिक सड़कें बंद हैं, जिससे बिजली और पानी की आपूर्ति ठप है। निगुलसरी के पास NH-5 भी अवरुद्ध हो गया।

**भारी नुकसान**

अब तक हिमाचल प्रदेश में मानसून से जुड़ी आपदाओं में 424 लोगों की मौत हो चुकी है और राज्य में नुकसान लगातार बढ़ रहा है। इस हफ्ते 17 सितंबर को राज्य के कई हिस्सों में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन में चार लोगों की मौत हो गई और छह लापता हो गए। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश को आपदा प्रभावित राज्य घोषित किया है और पिछले तीन सालों में कुल नुकसान 20,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा होने का अनुमान लगाया है। राज्य ने केंद्र से तुरंत वित्तीय मदद और राहत के लिए अपील की है।

**पिछली घटनाओं ने बढ़ाई चिंता**

इससे पहले 16 सितंबर को मंडी जिले में बादल फटने से धर्मपुर में भारी तबाही हुई। कई एचआरटीसी बसें और निजी वाहन बह गए और घर-दुकानें डूब गईं। स्थानीय लोगों ने कहा कि यह 2015 की बाढ़ से भी बदतर था, क्योंकि सौन नाला उफान पर था और उसने बड़े इलाके को डुबो दिया था।

**प्रशासन और स्थानीय लोग मुश्किल में**

लगातार बारिश और आपदाओं ने प्रशासन और स्थानीय लोगों को मुश्किल में डाल दिया है। राहत और बचाव कार्य जारी हैं, लेकिन बंद सड़कों और बाधित सेवाओं ने चुनौतियां बढ़ा दी हैं। केंद्र से तत्काल मदद की उम्मीद के साथ राज्य सरकार प्रभावितों के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

# रॉयल पत्रिका

## संपादकीय....

## बालिकाओं का पैदल मार्च: शिक्षा व्यवस्था की खामियों पर बड़ा सवाल

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान जब पूरे देश में गूंज रहे हों, तब भी अगर कहीं बालिकाओं को अपनी शिक्षा के बुनियादी हक़ के लिए सड़क पर उतरना पड़े तो यह शिक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर करता है। हाल ही में अरुणाचल प्रदेश के केसांग जिले से ऐसा ही एक साहसिक उदाहरण सामने आया, जिसने सरकार और समाज दोनों की आंखें खोल दीं। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की नब्बे से अधिक छात्राओं ने शिक्षकों की कमी जैसी मूलभूत समस्या को लेकर पैदल मार्च किया। इन बच्चियों ने अपने गांव न्यंग्नो से रात में चलते हुए लेम्मी जिला मुख्यालय तक की यात्रा तय की। यह कोई साधारण कदम नहीं था बल्कि उनकी हिम्मत और शिक्षा के प्रति गंभीरता का प्रतीक था। शिक्षा पाने का उनका अधिकार तभी सुरक्षित हो सका जब उन्होंने अपनी आवाज़ को इस तरह बुलंद किया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की स्थापना वर्ष 2004 में इस मकसद से की गई थी कि वंचित और पिछड़े इलाकों की बच्चियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके। यह पहल उन बालिकाओं के लिए की गई थी जो सामाजिक, आर्थिक या भौगोलिक कारणों से शिक्षा से वंचित रह जाती हैं। लेकिन हैरत की बात यह है कि ऐसे ही विद्यालयों में जब शिक्षक ही न हों तो बच्चियां पढ़ाई कैसे करें? छात्राओं को आखिर क्यों यह कठोर कदम उठाना पड़ा? इस घटना ने शिक्षा व्यवस्था की उस हकीकत को सामने ला दिया है जहां योजनाएं तो बड़े-बड़े नारों और वादों के साथ शुरू की जाती हैं लेकिन ज़मीन पर उनका सही अमल देखने को नहीं मिलता। बच्चियों ने जिस तरह मार्च करके जिला प्रशासन को झकझोरा, उससे यह साबित होता है कि समस्या को हल करने की गंभीरता अधिकारियों में पहले से मौजूद नहीं थी। आंदोलन के बाद ही शिक्षकों की तैनाती की गई, जो यह सवाल खड़ा करता है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी तब तक सोए रहते हैं जब तक कोई विरोध या प्रदर्शन न हो? दरअसल, शिक्षा केवल किताबों और पाठशालाओं तक सीमित नहीं है, यह एक पूरी प्रक्रिया है जिसमें शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। शिक्षकों की अनुपस्थिति केवल एक विद्यालय या जिले की समस्या नहीं है बल्कि यह पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था की जड़ में पैठी हुई चुनौती है। जिस दौर में सरकारें "नए भारत" और "डिजिटल इंडिया" का सपना दिखाती हैं, उसी दौर में बच्चियों का रात में पैदल मार्च करना गहरी चिंता पैदा करता है। छात्राओं की यह हिम्मत और एकजुटता काबिले तारीफ है। उन्होंने दिखा दिया कि शिक्षा के अधिकार के लिए अगर आवाज़ बुलंद की जाए तो व्यवस्था को झुकना ही पड़ता है। लेकिन लंबी दूरी तय कर मार्च करना बच्चियों का काम नहीं होना चाहिए।

# भारत-अमरीका संबंध: दोनों देशों का गठबंधन व्यावहारिक होने के साथ वैचारिक भी

## -चुनौतियाँ और मतभेद: व्यापार, रूस और मानवाधिकार मुद्दे

भारत और अमरीका के संबंध आज वैश्विक राजनीति का ऐसा अहम पहलू हैं, जिसे नज़रअंदाज़ करना नामुमकिन है। बीते सात दशकों में इन रिश्तों ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। कभी संदेह और दूरी का दौर रहा, तो कभी विश्वास और सहयोग की नई परिभाषाएँ गढ़ी गईं। खासकर 21वीं सदी में जब दुनिया बहुध्रुवीय (multi-polar) व्यवस्था की ओर बढ़ी, तब भारत और अमरीका की साझेदारी केवल सामरिक (strategic) और आर्थिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और वैश्विक शांति के साझा एजेंडे पर भी आधारित हो गई। आज यह संबंध दो स्तरों पर खड़े हैं – व्यावहारिक (Pragmatic) और वैचारिक (Ideological)। व्यावहारिक इसलिए क्योंकि व्यापार, निवेश, रक्षा, तकनीक, ऊर्जा और नवाचार जैसे मुद्दे इसे मजबूती देते हैं। वैचारिक इसलिए क्योंकि दोनों देश लोकतंत्र, स्वतंत्रता, मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय शांति जैसे मूलभूत मूल्यों के पैरोकार हैं।

**ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य: ठंडे युद्ध से नई दोस्ती तक**

भारत-अमरीका संबंधों को समझने के लिए इसके ऐतिहासिक आयाम पर नज़र डालना ज़रूरी है।

स्वतंत्रता के बाद का दौर (1947–1960): भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई। अमरीका ने पाकिस्तान को रणनीतिक सहयोगी बना लिया। इससे भारत-अमरीका रिश्तों में दूरी रही।

ठंडा युद्ध काल (1960–1990): अमेरिका सोवियत संघ को रोकने के लिए पाकिस्तान को मदद देता रहा, वहीं भारत ने सोवियत संघ से निकटता बनाई। 1971 के बांग्लादेश युद्ध में अमेरिका ने पाकिस्तान का पक्ष लिया, जबकि भारत को रूस का समर्थन मिला।

ठंडे युद्ध के बाद (1990–2000): सोवियत संघ के विघटन के बाद भारत और अमेरिका के बीच धीरे-धीरे नज़दीकियाँ बढ़ीं। 1991 में भारत के आर्थिक उदारीकरण ने अमेरिकी कंपनियों के लिए अवसर खोले।

परमाणु परीक्षण और तनाव (1998): भारत के पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद अमेरिका ने कड़े प्रतिबंध लगाए। परंतु जल्द ही आपसी संवाद ने रिश्तों को पटरी पर ला दिया।

रणनीतिक साझेदारी का दौर (2000 के बाद): 2005 में भारत-अमेरिका सिविल न्यूक्लियर डील ने संबंधों में ऐतिहासिक मोड़ दिया। ओबामा काल में भारत को "Natural Ally" कहा गया और रिश्ते नई ऊँचाई पर पहुँचे।

आर्थिक संबंध: व्यापार और निवेश का बढ़ता पुल

भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक रिश्ते दिन-ब-दिन गहरे हो रहे हैं।

द्विपक्षीय व्यापार: 2023–24 में दोनों देशों के बीच 190 बिलियन डॉलर से अधिक का व्यापार हुआ। अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

निवेश: अमेरिकी कंपनियों ने भारत में IT, ई-कॉमर्स, मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन एनर्जी में भारी निवेश किया है। वहीं भारतीय कंपनियाँ जैसे इंफोसिस, विप्रो, टीसीएस, अमेरिका में लाखों नौकरियाँ उपलब्ध करा रही हैं।

टैरिफ विवाद: हाल ही में अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ लगाने से तनाव ज़रूर पैदा हुआ, लेकिन ट्रंप-मोदी संवाद ने यह संकेत दिया कि नेतृत्व स्तर की समझदारी इन खटासों को कम कर सकती है।

**सामरिक और रक्षा सहयोग: इंडो-पैसिफिक रणनीति**

भारत और अमेरिका का सामरिक सहयोग वैश्विक राजनीति का अहम हिस्सा है।

रक्षा समझौते: दोनों देशों ने COMCASA, LEMOA और BECA जैसे कई अहम रक्षा समझौते किए हैं। इनसे खुफिया जानकारी साझा करने, लॉजिस्टिक सपोर्ट और आधुनिक तकनीक के आदान-प्रदान का मार्ग खुला।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र: अमेरिका चाहता है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती शक्ति को संतुलित किया जाए। भारत इस रणनीति में स्वाभाविक सहयोगी है। क्वाड (Quad) समूह – भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया – इसका उदाहरण है।

आतंकवाद पर सहयोग: दोनों देश आतंकवाद के खिलाफ साझा रणनीति पर काम कर रहे हैं। पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठनों को लेकर अमेरिकी दबाव भारत के लिए मददगार साबित हुआ है।

**विज्ञान, तकनीक और नवाचार**

भारत-अमेरिका रिश्तों का एक बड़ा आयाम तकनीकी सहयोग है।

आईटी और स्टार्टअप: सिलिकॉन वैली में भारतीय प्रतिभा का दबदबा है। सुंदर पिचाई (गूगल), सत्या नडेला (माइक्रोसॉफ्ट) जैसे भारतीय मूल के CEO इसका प्रतीक हैं।

अंतरिक्ष सहयोग: नासा और इसरो ने चंद्रमा और मंगल मिशनों पर सहयोग किया है।

स्वच्छ ऊर्जा और क्लाइमेट चेंज: दोनों देश ग्रीन एनर्जी, सोलर और हाइड्रोजन तकनीक में मिलकर रिसर्च कर रहे हैं।

**वैचारिक आधार: लोकतंत्र और स्वतंत्रता का साझा मूल्य**

भारत और अमेरिका दोनों ही लोकतंत्र की मजबूत मिसाल हैं।

लोकतांत्रिक प्रणाली: भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका सबसे पुराना लोकतांत्रिक गणराज्य।

मानवाधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता: दोनों देश मानते हैं कि स्वतंत्र समाज ही स्थायी विकास और शांति की गारंटी दे सकता है।

डायस्पोरा का योगदान: 40 लाख से अधिक भारतीय-अमरीकी दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और वैचारिक सेतु का काम कर रहे हैं।

**चुनौतियाँ और मतभेद**

हालाँकि संबंधों में गहराई है, पर चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं।

व्यापारिक मतभेद: टैरिफ, H-1B वीज़ा, और बौद्धिक संपदा अधिकार जैसे मुद्दों पर समय-समय पर तनाव रहता है। रूस और ईरान नीति: भारत के रूस से रक्षा सौदे और ईरान से तेल आयात पर अमेरिका असहजता जताता है। मानवाधिकार मुद्दे: कभी-कभी अमेरिका भारत की आंतरिक नीतियों (जैसे कश्मीर) पर टिप्पणी करता है।

**ट्रंप-मोदी संवाद और व्यक्तिगत समीपता**

कूटनीति में अक्सर व्यक्तिगत रिश्ते अहम भूमिका निभाते हैं। ट्रंप और मोदी के बीच सोशल मीडिया संवाद, बधाइयाँ और व्यक्तिगत मित्रता ने यह साबित किया कि तनावपूर्ण माहौल में भी संवाद की डोर रिश्तों को थामे रख सकती है। जैसा कि कहा गया है – "कूटनीति केवल दूतावासों में नहीं होती, बल्कि नेताओं की व्यक्तिगत समझदारी और मित्रता से भी आगे बढ़ती है।"

**वैश्विक राजनीति और भारत-अमेरिका गठबंधन**

आज रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य-पूर्व संकट और चीन की बढ़ती दावेदारी ने वैश्विक राजनीति को जटिल बना दिया है। इन परिस्थितियों में भारत-अमेरिका गठबंधन केवल द्विपक्षीय रिश्ते नहीं बल्कि वैश्विक संतुलन की कुंजी है। रूस-यूक्रेन संघर्ष: दोनों देश युद्ध समाप्त करने के लिए शांति प्रयासों पर सहमत दिखते हैं। चीन चुनौती: इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग चीन को बैलेंस करने का साधन है। जलवायु परिवर्तन: दुनिया के दो बड़े लोकतंत्र इस मुद्दे पर संयुक्त नेतृत्व कर सकते हैं। भारत-अमरीका संबंध आज केवल लेन-देन वाले रिश्ते नहीं हैं, बल्कि यह रणनीतिक मित्रता और वैचारिक साझेदारी का प्रतीक हैं। चुनौतियाँ मौजूद हैं, परंतु संवाद, सहयोग और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के चलते इन रिश्तों का भविष्य उज्ज्वल है।

ट्रंप-मोदी संवाद और व्यक्तिगत समीपता इस बात का संकेत है कि जब भी रिश्तों में तनाव आएगा, नेतृत्व स्तर की मित्रता और दूरदर्शिता उसे पिघलाने का काम करेगी। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि – भारत और अमरीका की साझेदारी 21वीं सदी की वैश्विक राजनीति का सबसे अहम स्तंभ बनने जा रही है। भारत और अमेरिका के रिश्तों का भविष्य न सिर्फ़ इन दोनों देशों के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए अहम मायने रखता है। आने वाले दशकों में तीन बड़े क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें इन संबंधों की गहराई और भी बढ़ सकती है। पहला क्षेत्र है डिजिटल और साइबर सहयोग। आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, 5G-6G तकनीक और साइबर सुरक्षा में भारत और अमेरिका मिलकर वैश्विक मानक तय कर सकते हैं। दूसरा क्षेत्र है स्वास्थ्य और बायोटेक्नोलॉजी। कोविड महामारी ने यह दिखा दिया कि स्वास्थ्य सहयोग कितनी बड़ी ज़रूरत है। वैक्सीन निर्माण और मेडिकल रिसर्च में दोनों देशों का तालमेल मानवता को नई सुरक्षा दे सकता है।

# सरकारी मेडिकल कॉलेजों में शिक्षकों की कमी और चिकित्सा शिक्षा पर दोहरा रवैया

## -निजी और सरकारी कॉलेजों के प्रति दोहरा रवैया

भारत में चिकित्सा शिक्षा का महत्व किसी से छुपा नहीं है। डॉक्टर समाज के सबसे आवश्यक स्तंभ हैं, जिनके बिना स्वास्थ्य सेवा की कल्पना अधूरी है। देश की बढ़ती आबादी और बदलते जीवनशैली रोगों ने डॉक्टरों की ज़रूरत को और भी अधिक बढ़ा दिया है। इसी आवश्यकता को देखते हुए सरकार ने मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने पर ज़ोर दिया है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के अनुसार, आज देश में सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में मेडिकल कॉलेजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। लेकिन इस विकास की रफ्तार के पीछे एक गंभीर समस्या छिपी हुई है—सरकारी कॉलेजों में शिक्षकों के पदों की भारी कमी और नियामक संस्थाओं का दोहरा रवैया। यह स्थिति न केवल चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह लगाती है, बल्कि मेधावी और परिश्रमी छात्रों के भविष्य को भी संकट में डाल देती है।

**सरकारी कॉलेजों में शिक्षकों की कमी: चिंताजनक तस्वीर**

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिल्ली समेत कई राज्यों में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में शिक्षकों की भारी कमी दर्ज की गई है। राजस्थान हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका के दौरान यह सामने आया कि राज्य के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 40-50% तक शिक्षक पद खाली हैं। एक रिपोर्ट बताती है कि राजस्थान के 22 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में स्वीकृत 2448 पदों में से 1285 पद रिक्त पड़े हैं। यानी 52% कमी। उत्तर प्रदेश में भी लगभग 50% पद खाली हैं। पश्चिम बंगाल में मेडिकल प्रोफेसरों की कमी 5000 से भी अधिक है। दिल्ली के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 200 से अधिक पद खाली पाए गए। यह आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि भारत में सरकारी मेडिकल कॉलेजों का ढांचा गहरी समस्या से जूझ रहा है।

**निजी और सरकारी कॉलेजों के प्रति दोहरा रवैया**

एनएमसी और अन्य नियामक संस्थाओं पर यह आरोप है कि वे निजी और सरकारी कॉलेजों के मामले में अलग-अलग मानक अपनाते हैं। निजी कॉलेजों के निरीक्षण के दौरान अक्सर बेहद कड़ा रुख अपनाया जाता है। स्टाफ, इंफ्रास्ट्रक्चर, मरीजों की संख्या और लैब उपकरणों की बारीकी से जांच की जाती है। किसी भी कमी पर तुरंत कार्रवाई और यहां तक कि सीटें भी कम कर दी जाती हैं। सरकारी कॉलेजों में जब निरीक्षण होता है, तो अपेक्षाकृत उदार दृष्टिकोण अपनाया जाता है। यहां शिक्षकों की भारी कमी और संसाधनों की कमी होने के बावजूद मान्यता जारी रहती है और सीटें भी प्रभावित नहीं होतीं। यह दोहरा रवैया शिक्षा के स्तर पर गहरा असर डालता है। निजी कॉलेजों पर दबाव रहता है कि वे हर हाल में अपने संसाधनों को दुरुस्त रखें, जबकि सरकारी कॉलेजों को ढील मिलने से उनमें सुधार की गति धीमी रहती है।

**मेधावी छात्रों पर सीधा असर**

इस असमानता का सबसे बड़ा खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ता है। शिक्षण गुणवत्ता पर असर – जब शिक्षक ही आधे से अधिक पदों पर अनुपस्थित हों, तो छात्रों को पढ़ाने और मार्गदर्शन देने वाला कौन होगा? मेडिकल शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि प्रैक्टिकल ट्रेनिंग, क्लीनिकल अनुभव और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन पर आधारित होती है। प्रैक्टिकल अनुभव में कमी – छात्रों को अस्पतालों में रोगियों का निरीक्षण करने और सर्जरी जैसे कामों को देखने-समझने का अवसर तभी मिलता है, जब प्रशिक्षित शिक्षक मौजूद हों। कमी होने पर यह अवसर भी सीमित हो जाता है। भविष्य में प्रतिस्पर्धा में पिछड़ना – सरकारी कॉलेजों से पढ़े मेधावी छात्र जब निजी कॉलेजों से पढ़े छात्रों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं, तो संसाधनों की कमी के चलते पीछे रह जाते हैं।

**चिकित्सा शिक्षा में बढ़ती असमानता**

भारत में चिकित्सा शिक्षा को लेकर असमानता गहराती जा रही है। सरकारी कॉलेज – फीस कम होती है, लेकिन संसाधनों और शिक्षकों की भारी कमी। निजी कॉलेज – फीस लाखों-करोड़ों में होती है, लेकिन संसाधन और शिक्षक अपेक्षाकृत बेहतर। इस

असमानता का नतीजा यह है कि आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन मेधावी छात्र सरकारी कॉलेजों में दाखिला लेकर संसाधनों की कमी झेलते हैं। वहीं अमीर घरानों के छात्र निजी कॉलेजों से आधुनिक सुविधाओं का लाभ लेकर बेहतर प्रशिक्षित डॉक्टर बन जाते हैं।

**समस्या की जड़ें**

भर्ती प्रक्रिया की धीमी गति – मेडिकल शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया बेहद जटिल और समय लेने वाली है। विज्ञापन निकलने से लेकर इंटरव्यू और जॉइनिंग तक सालों लग जाते हैं। कम वेतन और बेहतर अवसरों की कमी – सरकारी मेडिकल कॉलेजों में शिक्षकों को मिलने वाला वेतन और सुविधाएं निजी सेक्टर या विदेशों की तुलना में कम हैं। इसलिए विशेषज्ञ वहां काम करना पसंद नहीं करते। नीतिगत उदासीनता – राज्य सरकारें और केंद्र कई बार इस विषय पर गंभीर नहीं दिखतीं। मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाना प्राथमिकता होती है, लेकिन उनमें शिक्षकों की नियुक्ति पर ध्यान कम दिया जाता है। राजनीतिक दबाव – कई बार निरीक्षण और मान्यता प्रक्रिया राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण ढीली पड़ जाती है।

**अदालतों और जनहित याचिकाओं की भूमिका**

राजस्थान हाईकोर्ट जैसी कई अदालतों ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों में शिक्षकों की कमी को गंभीर मानते हुए सरकार से जवाब मांगा है। अदालतों ने यह भी कहा है कि यदि शिक्षकों की कमी दूर नहीं की गई, तो शिक्षा की गुणवत्ता पर गंभीर असर पड़ेगा। जनहित याचिकाएं इस मुद्दे को उठाने का एक बड़ा माध्यम बन रही हैं, लेकिन इनके बाद भी सुधार की गति धीमी बनी हुई है।

**सुधार की ज़रूरत**

यदि भारत को गुणवत्तापूर्ण डॉक्टर तैयार करने हैं, तो तत्काल कुछ कदम उठाना आवश्यक हैं— भर्ती प्रक्रिया तेज करना – मेडिकल शिक्षकों की भर्ती को प्राथमिकता दी जाए और समयबद्ध तरीके से पूरी की जाए। वेतन और सुविधाओं में सुधार – सरकारी कॉलेजों के शिक्षकों को आकर्षक वेतन और सुविधाएं दी जाएं, ताकि विशेषज्ञ वहां काम करने के लिए प्रोत्साहित हों। इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास – पुरानी प्रयोगशालाओं और उपकरणों को अपडेट किया जाए। निरीक्षण में समानता – एनएमसी को सरकारी और निजी दोनों कॉलेजों के लिए समान मानक लागू करने चाहिए। राजनीतिक हस्तक्षेप कम करना – कॉलेजों की मान्यता और निरीक्षण की प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप – सरकार और निजी संस्थानों के बीच सहयोग से संसाधनों की कमी को दूर किया जा सकता है। भारत में चिकित्सा शिक्षा का भविष्य तभी सुरक्षित हो सकता है, जब सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में समान गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। शिक्षकों की कमी केवल एक प्रशासनिक समस्या नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य सेवाओं की जड़ों को कमजोर करने वाली चुनौती है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में आधे से अधिक शिक्षकों के पद खाली होना गहरी चिंता का विषय है। नियामक संस्थाओं का दोहरा रवैया इस समस्या को और बढ़ाता है।

# पोषाहार कार्यक्रम में लापरवाही से मंडरा रहा बच्चों की सेहत पर खतरा

## -जांच की खानापूर्ति ही काफी नहीं, जिम्मेदारों पर ठोस कार्रवाई करनी होगी

भारत जैसे विशाल और विकासशील देश में शिक्षा और पोषण दोनों ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। शिक्षा के अधिकार कानून और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बावजूद, बड़ी संख्या में बच्चे अब भी कुपोषण और भूख की समस्या से जूझते हैं। इसी चुनौती से निपटने के लिए सरकार ने स्कूलों में मिड डे मील या पोषाहार कार्यक्रम की शुरुआत की। इस योजना का मकसद सिर्फ बच्चों को पढ़ाई की ओर आकर्षित करना नहीं था, बल्कि उन्हें एक समय का पौष्टिक और संतुलित भोजन देना भी था। लेकिन हाल ही में राजस्थान के सलूम्बर और दौसा जिलों से सामने आई घटनाओं ने इस योजना की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। छिपकली गिरने से 40 बच्चों का बीमार होना और सौ बच्चों का अचानक अस्पताल पहुंचना, यह सिर्फ एक आकस्मिक हादसा नहीं है बल्कि सिस्टम की गहरी लापरवाही का सबूत है। सवाल यह है कि जिन बच्चों की जिंदगी को सुरक्षित रखने के लिए योजना चलाई गई, वही योजना उनकी सेहत के लिए खतरा क्यों बन रही है?

**मिड-डे मील योजना का उद्देश्य और महत्व**

बच्चों की पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखना – ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में कई बार बच्चे सिर्फ इसलिए स्कूल नहीं जाते क्योंकि घर पर भोजन का इंतजाम नहीं होता। मिड डे मील से बच्चे नियमित स्कूल आते हैं। कुपोषण से मुक्ति – भारत में पांच साल तक के बच्चों में कुपोषण की दर चिंताजनक है। स्कूल में पौष्टिक भोजन से बच्चों की पोषण संबंधी जरूरत पूरी हो सके, यही इसका उद्देश्य है। सामाजिक समानता – सभी वर्गों के बच्चे एक साथ बैठकर भोजन करते हैं, जिससे सामाजिक समानता और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। नामांकन और उपस्थिति में वृद्धि – सरकारी आंकड़े बताते हैं कि इस योजना ने स्कूलों में नामांकन और उपस्थिति में बढ़ोतरी में अहम भूमिका निभाई है।

**हाल की घटनाएं: चेतावनी की घंटी**

सलूम्बर (उदयपुर संभाग) की घटना – डाई खेड़ा गांव में मिड डे मील में दाल के बर्तन में छिपकली गिर गई। भोजन खाने के बाद 40 बच्चे उल्टी-दस्त से पीड़ित हो गए और अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। दौसा की घटना – चूडियावास ग्राम पंचायत के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पोषाहार खाने के बाद 100 बच्चे एक साथ बीमार हो गए। ये घटनाएं यह साबित करती हैं कि पोषाहार कार्यक्रम की निगरानी केवल कागज़ों पर हो रही है। बच्चों की जान पर खेलना प्रशासनिक लापरवाही का स्पष्ट उदाहरण है।

**प्रमुख लापरवाहियां और खामियां**

स्वच्छता की अनदेखी: रसोईघर गंदे रहते हैं। बर्तन ढके नहीं रहते। कीड़े-मकोड़े और जानवर अक्सर पास आ जाते हैं।

प्रशिक्षित कुक की कमी: ज्यादातर स्कूलों में खाना पकाने वाले प्रशिक्षित नहीं होते। कुक-कम-हेल्पर को बहुत कम मानदेय मिलता है, जिससे काम के प्रति गंभीरता कम हो जाती है।

गुणवत्ता नियंत्रण का अभाव: खाद्यान्न की आपूर्ति में घटिया अनाज का इस्तेमाल। सब्जियां और मसाले बिना गुणवत्ता जांच के खरीदे जाते हैं।

जिम्मेदारी तय न होना: अक्सर मिड डे मील की जिम्मेदारी किसी शिक्षक पर डाल दी जाती है। शिक्षक पहले ही पढ़ाई और प्रशासनिक काम से दबे रहते हैं, ऐसे में वे भोजन की गुणवत्ता की निगरानी नहीं कर पाते।

जांच केवल खानापूर्ति: हर हादसे के बाद प्रशासन जांच बैठाता है। लेकिन न तो दोषियों पर सख्त कार्रवाई होती है, न ही स्थायी सुधार लागू होते हैं।

**बच्चों पर असर**

शारीरिक नुकसान – खराब भोजन से फूड प्वाइजनिंग, उल्टी-दस्त, कमजोरी और कुपोषण की समस्या और बढ़ जाती है। मानसिक असर – बच्चे और उनके परिवारों में भय पैदा हो जाता है। माता-पिता सोचने लगते हैं कि स्कूल भेजना सुरक्षित नहीं है। शिक्षा पर असर – अगर माता-

पिता बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दें तो नामांकन और उपस्थिति पर नकारात्मक असर पड़ता है।

**शिक्षक संगठन की आपत्तियां**

शिक्षक संगठन लगातार यह मांग करते आए हैं कि पोषाहार योजना की जिम्मेदारी शिक्षकों पर डालना गलत है। उनका कहना है कि: शिक्षक का असली काम पढ़ाना है, न कि भोजन पकाने और बंटवाने की निगरानी करना। भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए अलग से पोषण निरीक्षक या सुपरवाइजर नियुक्त किए जाने चाहिए। भोजन बनाने वालों को उचित वेतन और प्रशिक्षण मिले, तभी गुणवत्ता सुधर सकती है।

**प्रशासनिक और सरकारी कमियां**

निगरानी तंत्र कमजोर – ब्लॉक और जिला स्तर पर पोषाहार की निगरानी के लिए टीमें तो बनती हैं, लेकिन उनके दौरे अनियमित और औपचारिक रहते हैं। बजट की कमी – प्रति बच्चे पर खर्च होने वाली राशि महंगाई की तुलना में बेहद कम है। इस कारण पौष्टिक भोजन तैयार करना मुश्किल हो जाता है। भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन – खाद्यान्न की आपूर्ति और खरीद में भ्रष्टाचार की शिकायतें समय-समय पर आती रहती हैं। उत्तरदायित्व का अभाव – अगर कोई हादसा होता भी है तो छोटी-मोटी कार्रवाई कर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है।

**समाधान और सुधार के उपाय**

स्वच्छता पर सख्त नियम: सभी स्कूलों में साफ-सुथरी रसोई और ढके बर्तनों की व्यवस्था हो। नियमित अंतराल पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच की जाए।

प्रशिक्षित और सम्मानजनक वेतन वाले कुक: भोजन बनाने वालों को प्रशिक्षण दिया जाए। मानदेय इतना हो कि वे पूरे मन से काम करें।

निगरानी तंत्र को मजबूत करना: जिला और ब्लॉक स्तर पर नियमित निरीक्षण अनिवार्य हो। निगरानी रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए।

जवाबदेही तय करना: हादसे की स्थिति में जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर ठोस कार्रवाई हो। दोषियों पर निलंबन और दंडात्मक कार्रवाई से ही सुधार संभव है।

टेक्नोलॉजी का उपयोग: पोषाहार की आपूर्ति और वितरण की ऑनलाइन मॉनिटरिंग हो। हर स्कूल को प्रतिदिन पोषाहार की स्थिति का अपडेट करना पड़े।

सामाजिक भागीदारी: माता-पिता और स्थानीय पंचायत को भी निगरानी प्रक्रिया में जोड़ा जाए। स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से पारदर्शिता बढ़ाई जा सकती है। मिड डे मील योजना भारतीय शिक्षा प्रणाली का बेहद अहम हिस्सा है। इससे लाखों बच्चों को न सिर्फ भोजन बल्कि शिक्षा से जुड़ने की प्रेरणा भी मिली है। लेकिन जब इस योजना में लापरवाही से बच्चों की जान पर खतरा मंडराने लगे, तो यह पूरे समाज और सरकार के लिए गंभीर चिंता का विषय है। सिर्फ खानापूर्ति वाली जांच से हालात नहीं सुधरेंगे। जिम्मेदारों पर ठोस कार्रवाई करनी होगी। प्रशिक्षित कुक, स्वच्छता, गुणवत्ता जांच और कड़ी निगरानी जैसे ठोस कदम उठाने होंगे।

# मुख्यमंत्री ने की आरपीए में नया प्रशिक्षण भवन बनाने की घोषणा

## -प्रदेश में अपराध नियंत्रण और शान्ति व्यवस्था हमारी प्राथमिकता

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पुलिस में प्रशिक्षण से कानून की जानकारी के साथ ही आपसी संवाद, सहयोग और टीम भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि यही बुनियादी प्रशिक्षण पुलिस के चरित्र और व्यक्तित्व को आकार देकर उन्हें एक आदर्श अधिकारी बनाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध नियंत्रण और शान्ति व्यवस्था बनाए रखना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। आगामी समय में इस व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। शर्मा शुक्रवार को राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर में राजस्थान पुलिस सेवा (प्रशिक्षु) के 55वें बैच के प्रशिक्षणार्थियों के दीक्षान्त परेड समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैच के 76 प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए कहा कि मेहनत, लगन और कड़ी तपस्या से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। शर्मा ने इस अवसर पर पुलिस कार्मिकों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान पुलिस अकादमी में नया प्रशिक्षण भवन बनाने की घोषणा की। इससे साइबर अपराध, आर्थिक मामलों से सम्बन्धित अपराध इत्यादि के सम्बन्ध में पुलिस को बेहतर प्रशिक्षण, तकनीकी संसाधन एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध होगा।

**महिला पुलिस अधिकारी समाज के लिए प्रेरणा स्रोत**

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के लिए महिला सशक्तिकरण सर्वोच्च प्राथमिकता है। राजस्थान पुलिस में महिलाओं की लगातार बढ़ती भागीदारी इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने कहा कि आज के 76 प्रशिक्षु अधिकारियों में 20 महिला अधिकारी शामिल होना अत्यंत गर्व की बात है। महिला पुलिस अधिकारी से महिलाएं अपनी समस्याएं बेझिझक बताती हैं। ये महिला अधिकारी न केवल पुलिस बल का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, बल्कि समाज की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत भी हैं।

**पारंपरिक पुलिसिंग के साथ ही पुलिस में बढ़े तकनीकी कुशलता**

शर्मा ने कहा कि वर्तमान में अपराध का स्वरूप लगातार बदल रहा है। संगठित अपराध, साइबर अपराध और डिजिटल युग की नई-नई चुनौतियों से लड़ने के लिए पुलिस को निरंतर सजग, अपडेट और प्रशिक्षित रहना होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस के लिए पारंपरिक पुलिसिंग के साथ ही तकनीकी कुशलता, साइबर सिक्योरिटी की जानकारी और डिजिटल फॉरेंसिक की समझ भी महत्वपूर्ण है।

**ईमानदारी पुलिस का सबसे शक्तिशाली हथियार**

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस के लिए ईमानदारी सबसे शक्तिशाली हथियार है। पुलिस को किसी भी तरह के दबाव में ना आकर सदैव धैर्य और संयम से काम लेना चाहिए। उन्होंने पुलिस के लिए टीम वर्क पर जोर देते हुए कहा कि पुलिसिंग एक टीम का काम है। जब हम साथियों के साथ मिलकर काम करते हैं, तो हमारी शक्ति कई गुना बढ़ जाती है। आपसी भाईचारा और विश्वास से ही हम प्रत्येक चुनौती का आसानी से सामना कर सकते हैं।

**कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में उठाए गए ठोस कदम**

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में अनेक ठोस कदम उठाए गए हैं। प्रदेश में अपराध का ग्राफ लगातार गिर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 से अब तक अपराधों में 19.45 प्रतिशत की कमी आई है। अनुसूचित जाति वर्ग के विरूद्ध अत्याचार में 17.80 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति वर्ग पर अत्याचार के मामलों में 18.77 प्रतिशत की गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि महिला अत्याचार के मामलों में भी 9.24 प्रतिशत की कमी आई है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान पुलिस प्रदेश में कानून व्यवस्था को चाक-चौबंद रख न्याय व्यवस्था को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नवीन चुनौतियों का सामना करने के लिए निरंतर तकनीकी नवाचार, त्वरित अनुसंधान एवं कार्यकुशलता का उन्नयन किया जा रहा है।

# भाजपा सरकार की खेल विरोधी नीतियों पर गहरी चिंता व्यक्त की

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ की पूर्व कार्यकारिणी की प्रथम बैठक प्रदेश कांग्रेस कार्यालय जयपुर (PCC) में आयोजित की गई। जिसमें भाजपा सरकार की खेल विरोधी नीतियों और खिलाड़ियों के साथ हो रहे अन्याय पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। बैठक में सर्वसम्मति से यह माना गया कि भाजपा सरकार ने खिलाड़ियों के भविष्य से खिलवाड़ किया है और राजस्थान में खेल संस्कृति को बर्बाद करने का काम किया है। इस बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस संगठन महासचिव ललित तुनवाल, विशिष्ट अतिथि जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष आर आर तिवारी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव अयूब खान, पंकज शर्मा, इक़बाल खान, अशीम खान, नदीम पठान, लक्ष्मीकांत, कृष्ण कुमार शर्मा, विष्णु प्रसाद डांगी, भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया को-ऑर्डिनेटर सादिक चौहान, घासीलाल और फुटबाल प्लेयर मंजूर बैग सहित सम्पूर्ण राजस्थान से आये खेल प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, खिलाड़ी और युवा साथी शामिल हुए। यह जानकारी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नदीम खान पठान (आंधी) ने दी है उल्लेखनीय है कि पठान कर्तव्यनिष्ट परिश्रमी ईमानदार दयालु है ये जहा भी जाते है इनके अच्छे व्यवहार को देखकर व इनके द्वारा कांग्रेस की खूबियों को बताने पर लोग अन्य पार्टियों को छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो जाते है। इसलिए आज भी लोग कहते है कि पठान का सिक्का आज चलता है।

# युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने के लिए संकल्पबद्ध है राज्य सरकार- डॉ. प्रेमचंद बैरवा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने प्रतापनगर, जयपुर स्थित आयुष भवन में चल रही आयुष यू.जी. काउंसलिंग-2025 की व्यवस्थाओं का शुक्रवार को जायजा लिया और काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल अभ्यर्थियों एवं उनके परिजनों से संवाद कर उनसे व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने काउंसलिंग वाले अभ्यर्थियों को एलॉटमेंट लेटर भी प्रदान किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पूरी व्यवस्था की है कि काउंसलिंग में विद्यार्थियों व उनके परिवारजनों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है। इस पर उपस्थित अभिभावकों और अभ्यर्थियों ने बताया कि बदली हुई व्यवस्था वे स्वयं महसूस कर रहे हैं, इसके लिए राज्य सरकार का आभार प्रकट करते हैं। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रत्येक विजन और नीति में युवा केन्द्र बिन्द है। मुख्यमंत्री की सोच है कि चाहे शिक्षा का मामला हो या स्वरोजगार का, राज्य में युवा को भरपूर सहायता, अवसर और मार्गदर्शन प्रदान कर उसे वैश्विक मंच पर सफलता प्राप्त कर राज्य और राष्ट्र के विकास में पूर्ण भागीदार बनाने की भूमिका में लाना है। प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है कि शिक्षा एवं स्वास्थ्य समेत प्रत्येक क्षेत्र में पारदर्शिता और सरलता बनी रहे ताकि युवा बिना किसी बाधा के अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हो सकें।

# स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत नगर निगम ग्रेटर द्वारा आयोजित की जा रही हैं विभिन्न स्वच्छता गतिविधियाँ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े (17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025) की श्रृंखला के अंतर्गत शुक्रवार को मालवीय नगर जोन के वार्ड 132 में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के दुष्प्रभावों एवं RRR के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही डिज़ायर फाउंडेशन की ओर से सभी बच्चों को कपड़े के थैले वितरित किए गए। नगर निगम ग्रेटर की टीम एवं PIU टीम ने बच्चों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही विद्याधर नगर जोन के वार्ड 33 में जीवीपी पॉइंट हटाकर स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत रंगोली बनाई गई। झोटवाड़ा जोन के वार्ड 58 के मॉडर्न एकेडमी सीनियर सेकंडरी स्कूल, वैशाली नगर में छात्र-छात्राओं और स्कूल स्टाफ को स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत 4 बिन कचरा पृथक्करण प्रणाली के बारे में समझाया गया। इसके साथ ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा प्रोसेसिंग प्लांट की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े में सक्रिय सहयोग और सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। सभी छात्र-छात्राओं को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। शनिवार को सफाई मित्र स्वास्थ्य शिविर के साथ-साथ स्वच्छ चौपाटी, प्लास्टिक फ्री स्ट्रीट वेंडिंग जोन अभियान साँगानेर जोन में चलाया जाएगा। साथ ही जयपुर चौपाटी, मानसरोवर, जगतपुरा एवं मसाला चौक, मालवीय नगर में स्वच्छ चौपाटी जैसे कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

# "शहरी सेवा शिविर 2025" के तहत वार्डवार कैम्प से आमजन को मिल रही राहत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर द्वारा राज्य सरकार के निर्देशानुसार 17 सितम्बर 2025 से 17 अक्टूबर 2025 तक "शहरी सेवा शिविर 2025" (मुख्य शिविर) का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को मुरलीपुरा जोन के हरमाड़ा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में वार्ड 1 से 7 एवं 12, 13, 14 का शिविर आयोजित किया गया। वार्डवार शिविर में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। शनिवार को साँगानेर ज़ोन के वार्ड 86 से 94 व 96 तक का शिविर घनश्याम बगरेट स्टेडियम, साँगानेर में आयोजित किया जाएगा। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि "शहरी सेवा शिविर-2025" (मुख्य शिविर) के तहत आमजन से प्राप्त विभिन्न समस्याओं का एक ही स्थान पर समाधान किया जायेगा। अभियान के तहत साफ-सफाई स्ट्रीट लाईट रिपेयर व नई लाईट लगाना, टूटे फेरोकवर व क्रॉस सही कराना, ब्लैक स्पॉट सही करवाना, पेच वर्क, सार्वजनिक पार्कों की साफ-सफाई, सार्वजनिक शौचालयों की साफ-सफाई व रिपेयर, सीवरेज कनेक्शन व रिपेयर, कार्यालय में पेन्डिंग पत्रावलियों का निस्तारण, विभिन्न प्रकार के पट्टे (स्टेट ग्राण्ट, कच्ची बस्ती 69ए, कृषि भूमि), भू-उपयोग परिवर्तन, खांचा भूमि, नामान्तरण, भवन निर्माण मंजूरी, ट्रेड लाईसेन्स, फायर एनओसी, स्ट्रीट वेण्डर रजिस्ट्रेशन, उप-विभाजन-एकीकरण, लीज़ मुक्ति प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मुख्यमंत्री स्व-निधि योजना/ प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना के तहत आवेदन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवेदन, एसबीएम 2.0 के अन्तर्गत घरेलू शौचालय निर्माण हेतु आवेदन से संबंधित आदि कार्य किये जायेंगे। अभियान के तहत नगर निगम ग्रेटर के स्तर पर अभियान की तैयारी, क्रियान्वयन मॉनिटरिंग एवं समीक्षा हेतु नोडल अधिकारी अतिरिक्त आयुक्त एवं सहायक नोडल अधिकारी उपायुक्त मुख्यालय मुकुट सिंह को नियुक्त किया गया है।

समस्याओं को चिह्नित करने एवं प्राप्त आवेदनों का निस्तारण करने के लिए वार्डवार प्रातः 09:30 बजे से 06:00 बजे तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

**शिविरों में मिल रही आमजन को तत्काल राहत :-**

मुरलीपुरा जोन में शिविर में आये हुये जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन के 27 आवेदन प्राप्त हुये जिसमें से 27 आवेदनों के ही प्रमाण पत्र तत्काल जारी किए गए। मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के 10 आवेदन प्राप्त हुये जिसमें 10 आवेदनों के ही तत्काल 10 आवेदन भरवाये गये। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के 50 आवेदन प्राप्त हुये जिसमें 50 आवेदनों को तत्काल भरवाया गया। नगरीय विकास कर के 8 प्रकरण प्राप्त हुये जिसमें 8 प्रकरणों में से 1 लाख 45 हजार रूपये जमा करवाये। जनआधार के 47 प्रकरणों का निस्तारण हुआ। सफाई संबंधी 10 शिकायते प्राप्त हुई जिसमें से 8 का निस्तारण किया गया।

**शनिवार को यहाँ आयोजित होगा शिविर :-**

कल शनिवार को साँगानेर ज़ोन के वार्ड 86 से 94 व 96 तक का शिविर घनश्याम बगरेट स्टेडियम, साँगानेर में आयोजित किया जाएगा।

# नक्शा पायलट प्रोजेक्ट की प्रगति समीक्षा बैठक संपन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने शुक्रवार को विभाग मुख्यालय में बैठक लेकर नक्शा पायलट प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में केन्द्र सरकार के भू-संसाधन विभाग के निदेशक श्याम कुमार, स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक प्रतीक चन्द्रशेखर, सर्वे ऑफ इंडिया के निदेशक, विभाग की अतिरिक्त निदेशक एवं नक्शा नोडल अधिकारी श्रीमती सीमा कुमार, भू-विशेषज्ञ एल.एस. यादव, एनआईसी के अधिकारी एवं परियोजना समन्वयक दिनेश चन्द जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। प्रोजेक्ट समन्वयक ने अवगत कराया गया कि गत 18 फरवरी को शुभारंभ किए गए इस प्रोजेक्ट में राजस्थान के 10 नगरों जैसलमेर, भिवाड़ी, पुष्कर, किशनगढ़, ब्यावर, बहरोड़, बगरू, नाथद्वारा, सवाई माधोपुर और नवलगढ़ का चयन किया गया है। बैठक में इन नगरों में अब तक हुई प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई एवं शासन सचिव द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। रवि जैन ने बैठक के दौरान निर्देश प्रदान किए कि सर्वे ऑफ इंडिया सभी चयनित नगर निकायों का सर्वे कार्य शीघ्र पूर्ण कर एमपीएसडीसी पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए की परियोजना के प्रथम चरण को निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए। इसी के साथ ही मौका सत्यापन के दौरान स्थानीय नागरिकों का सक्रिय सहयोग लिया जाए ताकि कार्य की शुद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद इसे अन्य नगर निकायों में भी लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाए जाएंगे।

# विवाद से विश्वास तक, सेवा शिविर बना नई शुरुआत का मंच

## - 70 साल पुराने भूमि विवाद का हुआ समाधान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्यभर में संचालित किए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविर जोधपुर जिले की ग्राम पंचायत जसवंतपुरा के लिए एक ऐतिहासिक पल लेकर आया। लगभग 70 वर्षों से चले आ रहं खातेदारी भूमि विवाद का समाधान यहाँ आपसी सहमति से हो गया।

**सात दशकों से लंबित विवाद पर लगी समाधान की मुहर-**

गाँव के डूंगरराम, त्रिलोकराम, पपली देवी, भूराराम, निंबाराम, मेघाराम और शोभाराम की कुल 2.5161 हेक्टेयर भूमि वर्षों से विवादों में उलझी हुई थी। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चल रहे इस मामले में बंटवारा संभव नहीं हो पा रहा था। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित प्री-कैंप में राजस्व अधिकारियों ने सभी खातेदारों को सहमति विभाजन हेतु समझाइश की। परिणामस्वरूप ग्रामीण सेवा शिविर के दिन सभी परिवारों ने एकमत होकर समझौते पर सहमति दी और बंटवारा संपन्न हुआ।

**शांति और सौहार्द का प्रतीक बना शिविर-**

विवाद के समाधान पर खातेदारों ने भावुक होते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्य सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल ज़मीन का बंटवारा नहीं, बल्कि शांति, राहत और नई उम्मीद की शुरुआत है।

**70 वर्षों बाद लौटी मुस्कान-**

गाँव के बुजुर्गों के अनुसार यह फैसला सिर्फ़ भूमि विवाद का हल नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सौहार्द और विश्वास की नींव है। जसवंतपुरा का यह ग्रामीण सेवा शिविर सचमुच "विवाद से विश्वास" की अनूठी यात्रा का साक्षी बना।

# आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की समीक्षा

## -प्रदेश में 'बुक ए कॉल विद बीएलओ' से 2 दिन में 2926 कॉल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने शुक्रवार को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समीक्षा की। उन्होंने शासन सचिवालय से वीसी के जरिए सभी संभागीय आयुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एकीकृत ECINet ऐप/ वेबसाइट लॉन्च की गयी है। इस में 'बुक ए कॉल विद बीएलओ' का भी फीचर उपलब्ध है, जिसके माध्यम से मतदाता बीएलओ से सीधा संपर्क करते हुए विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह फीचर मतदाताओं के लिए कई तरह की सुविधाएं लेकर आया है। उन्होंने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट से भी संबंधित बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर, एईआरओ, ईआरओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के नाम एवं मोबाइल नंबर प्राप्त कर संपर्क किया जा सकता है। कैसे बुक करं, बीएलओ से कॉल- बीएलओ से कॉल बुक करने के लिए मतदाता पहले ईसीआई नेट एप या वेबसाइट पर जाकर वोटर सर्विस पर क्लिक करना है, इसके बाद बुक ए कॉल विद बीएलओ पर क्लिक करना है। इसके बाद 3 विकल्प होंगे— इपिक नंबर, संदर्भ संख्या और अन्य। इन तीनों में से किसी एक को भरने के बाद मोबाइल नंबर दर्ज करने के पश्चात ओटीपी प्राप्त होगा। इसके बाद ओटीपी भरकर रिक्वेस्ट कॉल बैक पर क्लिक करना होगा। इसके साथ ही बीएलओ से कॉल बुक होने का आपको और बीएलओ को संदेश प्राप्त होगा। राज्य में 2 दिन में इस एप के माध्यम से अब तक 2926 मतदाताओं ने बीएलओ से कॉल बुक की है। सबसे ज्यादा 408 कॉल बुक जयपुर जिले से की गयी है, 167 कॉल के साथ दूसरे स्थान पर जोधपुर 140 कॉल के साथ सीकर जिला तीसरे स्थान पर है। इन कॉल का जवाब देने में अलवर जिला प्रथम रहा है। उदयपुर दूसरे एवं दौसा जिला तीसरे स्थान पर रहा है। महाजन ने बताया कि यह सुविधा मतदाताओं को और अधिक सुलभ, पारदर्शी और जवाबदेह सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

# झाबरसिंह खर्रा ने दौसा मेंशहरी सेवा शिविर का अवलोकन कर लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं में पट्टे एवं चैक सौंपे

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने शुक्रवार को दौसा शहर के बारादरी मैदान में आयोजित शहरी सेवा शिविर का अवलोकन कर विभिन्न योजनाओं में लाभार्थियों को पट्टे एवं चैक सौंपे। खर्रा ने शिविर में उपस्थित लोगों को बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राज्य सरकार ने शहरी एवं ग्राम सेवा शिविरों का आयोजन किया है। इनके माध्यम से भूमि पट्टा, भूमि विभाजन, नामान्तकरण, सफाई, नाली, सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लैम्प जैसे आवेदन प्राप्त कर आमजन की समस्याओं का त्वरित गति से मौके पर ही निस्तारण किया जा रहा है। साथ ही, लम्बित प्रकरणों का निश्चित समय सीमा में निस्तारण की व्यवस्था की गई है। खर्रा ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा इन शिविरों के माध्यम से समाज के सभी वर्गों, विशेषकर गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाना है। काम में पारदर्शिता एवं समयबद्धता के लिए आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन रखा गया है। यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पाता है तो उसके लिए भी शिविरों में विशेष व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि यदि किसी आवेदन में गलती से कोई कमी रह गई हो तो उसे भी दुरुस्त कराकर नियमानुसार लाभ दिया जा रहा है। खर्रा ने उपस्थित लोगों का आह्वान किया कि पात्र एवं जरूरतमंद लोग शहरी सेवा शिविरों में पहुंचकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लें। उन्होंने इन शिविरों का आमजन को समुचित फायदा दिलवाने में प्रबुद्धजन से सक्रिय भागीदार बनने का आग्रह किया। नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री ने लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के पट्टे और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना एवं आवास योजना (शहरी) के चैक प्रदान किए।

# राशन कार्ड जारी होने पर जयराम सपेरा के चेहरे पर आई खुशी की झलक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के आदेशो की पालना में ग्राम पंचायत कार्यालय भूडला परीसर मे बुधवार को ग्रामीण सेवा शिवर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान आए अनेक ग्रामवासी अपने लम्बित कार्य करवाने के लिए उपस्थित हुए। इस दौरान शिविर प्रभारी तहसीलदार तूंगा राकेश कुमार मीणा की नजर ग्रामीण जयराम पुत्र मांगी नाथ सपेरा पड़ी। जानकारी प्राप्त करने पर पता चला की ग्रामीण घूमन्तू श्रेणी से सम्बन्धित है और इसका राशन कार्ड 40 वर्ष उम्र बीत जाने पश्चात भी नहीं बना हुआ है। इसके पश्चात शिविर प्रभारी द्वारा इस प्रकरण को गम्भीरता से लेते हुए तत्काल राशन कार्ड जारी करवाया गया। राशन कार्ड जारी होने के पश्चात ग्रामीण जयराम सपेरा के चेहरे पर खुशी झलक आई। बीना दस्तावेज के जयराम सरकारी योजना के लाभ से वंचित था उसे न तो राशन ही मिल रहा था न कोई सरकारी योजनाओं का लाभ। अब उसे निशुल्क भूखण्ड आवंटन, पेन्शन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ मिल सकेगा। उसने राशन कार्ड जारी होने पर खुशी जाहिर करते हुए ग्रामीण सेवा शिविरों को राज्य सरकार की ओर से दी गई राहत करार दिया है।

## आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

| | | | |
|---|---|---|---|
| **बिजली फॉल्ट के लिए** | | **पानी के लिए** | |
| टोल फ्री नंबर | 18001806507 | जलदाय कार्यालय | 2706624 |
| वॉट्सएप नंबर | 9414037085 | फायर ब्रिगेड | 2747400 |
| कस्टमर केयर | 2203000 | **मेडिकल इमरजेंसी के लिए** | |
| आईवीआरएस | 1912 | एंबुलेंस | 102/108 |
| **कचरा गाड़ी के लिए** | | एसएमएस इमरजेंसी | 2518333 |
| ग्रेटर | 2747400 | महिला चिकित्सालय | 22610616 |
| सीवरेज लीकेज | 2607500 | जनाना हॉस्पिटल | 22378721 |
| हेरिटेज | 2607500 | SDMH | 22574189 |
| टोल फ्री नंबर | 14420 | SMS ब्लड बैंक | 22518222 |
| **पुलिस की मदद के लिए** | | कल्याण ब्लड बैंक | 22721771 |
| साइबर क्राइम | 1930/2360094 | **घायल पशुओं के लिए** | |
| कंट्रोल रूम | 2388435/36/37/38 | नगर निगम | 2747400 |
| ट्रैफिक कंट्रोल रूम | 2565630 | बर्ड बाइक | 9887345580 |
| चाइल्ड हेल्पलाइन | 1098 | हेल्प इन सफरिंग | 8107299711 |
| महिला हेल्पलाइन | 1090 | जनमंच ट्रस्ट | 7230055800 |
| मुख्यमंत्री पोर्टल | 181 | पशु चिकित्सालय | 2747400 |

# भाजपा देहात मंडल ने सेवा पखवाड़ा के तहत शिविरों मे भाग लिया

बारां (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान एवं जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार के निर्देशानुसार जिलेभर में जारी सेवा पखवाड़ा के तहत भाजपा देहात मंडल के कार्यकर्ता व पदाधिकारीयों ने देहात अध्यक्ष अमरदीप केदाहेड़ी व बारां पंचायत समिति प्रधान मोरपाल सुमन के नेतृत्व में ग्रामीण सेवा शिविर में सहभागिता की। भाजपा जिला प्रवक्ता सचिन सनाढ्य व सह प्रवक्ता योगेश राजोरा ने बताया की पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर भाजपा का सेवा पखवाड़ा जिले भर में जारी है इसी के अंतर्गत ग्राम

पंचायत करनाहैडा व बराना मे राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में भाजपा पदाधिकारीयों ने सहभागिता कर शिविर में आवासीय पट्टों व पशुधन बीमा पॉलिसी वितरण की वही प्रधान मोरपाल सुमन ने जन समस्याओं को सुन तुरंत निस्तारण किया इस अवसर पर मंडल महामंत्री राम मालव उपाध्यक्ष सुरेंद्र मीणा, हरिशंकर नागर, ब्रह्मानंद सारस्वत,विष्णु मालव, ज्ञानचंद वैष्णव एवं सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

# राज्य सरकार का प्रयास, आमजन को मिले त्वरित राहत

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिले में आयोजित किए जा रहे शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों में आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण कर उन्हें राहत उपलब्ध करवाई जा रही है। शहरी वार्डों के नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़े कार्य भी इन शिविरों के माध्यम से निपटाए जा रहे हैं। यह बात जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने शुक्रवार को हनुमानगढ़ नगरपरिषद के वार्ड 2 से 7 के लिए हाउसिंग बोर्ड स्थित सामुदायिक केंद्र में आयोजित शहरी सेवा शिविर के निरीक्षण के दौरान कही। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना एवं मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना से विशेष रूप से युवाओं को स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं। इन योजनाओं के माध्यम से युवाओं का स्वावलंबन और रोजगार का सपना साकार हो रहा है। इसके साथ ही कौशल विकास कार्यक्रमों के जरिए राज्य सरकार युवाओं को नए अवसर उपलब्ध करा रही है। विश्वकर्मा योजना

भी रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

**गरीब व जरूरतमंद तक पहुंचे योजनाओं का लाभ-**

जिला कलेक्टर ने आमजन से अपील की कि वे अपने नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों को शिविरों तक लेकर आएं, ताकि उन्हें योजनाओं से लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ शीघ्र और पारदर्शी तरीके से पहुँचे।

**विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण-**

इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. यादव ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में मौजूद लाभार्थियों से संवाद कर सुविधाओं को लेकर फीडबैक भी लिया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि आमजन को योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में उपलब्ध कराई जाए और समस्याओं का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित हो। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर डॉ. यादव ने भूखंड के पट्टे, चैक और प्रमाणपत्र लाभार्थियों को सौंपे। उन्होंने कहा कि सेवा शिविरों के माध्यम से सरकार का लक्ष्य है कि योजनाओं का सीधा लाभ आमजन को मिले। इस मौके पर नगर परिषद आयुक्त सुरेंद्र यादव और पार्षदगण, जनप्रतिनिधि एवं लाभार्थी भी मौजूद रहें।

# सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

## -अतिरिक्त जिला कलेक्टर सिंह ने ली बैठक, दिये आवश्यक निर्देश

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर एलएन मंत्री के निर्देशानुसार आज शुक्रवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ बजरंग सिह की अध्यक्षता में जिला कलक्टर कार्यालय के सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुयी। बैठक में राष्ट्रीय राज मार्ग के अधिकारीयों, पी डब्लू डी, नगर निगम को निराश्रित पशुओं को पकड़ने, अथवा हटाने गौशाला भेजने पर प्रभावी कार्यवाही कर, गौशाला से जुर्माना देकर छुडवाये जाने वाले पशुओं संबधी सूचना भिजवाने के लिये आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में नेशनल हाइवे प्रबंधको को निराश्रित पशुओ को हटवाने के लिए प्रभावित कार्यवाही कराना सुनिश्चित करे साथ ही रोड के खडडों को मरम्मत व पेंचवर्क करने के लिए युआइटी, पीडब्ल्यूडी, आरएसआरटीसी, को मानसून के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़को को सूधारने के व गारंटी अवधि की सड़को को सुधारने के लिए संबंधित ठेकेदारों को पांबद

कर मरम्मत सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिये। उन्होनें पुलिस व पीडब्लयूडी व युआईटी को बांडी नदी रपट पर नदी के बहाव के रूकने के पश्चात पेचवर्क होने तक मार्ग को बेरिकेटिंग के लिये निर्देश दिये। उन्होंने हाईवे प्रबंधक को उपमार्गों पर गांव के नाम के सांकेतिक बोर्ड लगाने के निर्देश दिये। उन्होंने जिले में एक्सीडेन्ट के ब्लैक स्पॉट के बारे में व निराश्रित पशुओं को पकड़ने के बारे मे एनएचएआई, एनएच, नगर निगम, आरएसआरडीसी, आदि विभागों से जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में क्षमता से अधिक बच्चे ले जाने वाली बालवाहिनियो पर चालान कार्रवाई के बारे में आवश्यक निर्देश, सीट बैल्ट लगाने, हेलमेट के बारे में जागरूकता, रोडवेज बसों के बारे में व यातायात व परिवहन विभाग के बिन्दओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी विमलेन्द्र राणावत, यूआइटी सचिव डॉ. पूजा सक्सेना, विभाग के एसई व सदस्य सचिव दिलीप परिहार अति परिवहन अधिकारी गणपत लाल, पुलिस विभाग डीवाइएसपी सुधड सिंह व हिंगलाज दान व सार्वजनिक निर्माण, एनएचएआई के संजय मरवाडी,एनएच, आरएसआरडीसी, आदि संबधित विभागों के अधिकारी कार्मिक मौजूद रहे।

# किसानों एवं आमजन की समस्याओं को लेकर कांग्रेस का धरना प्रदर्शन 23 को

## -पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया के नेतृत्व में जिला कलक्टर कार्यालय पर होगा प्रदर्शन

बारां (रॉयल पत्रिका)। बारां जिले के किसानो, आमजन की समस्याओं तथा कांग्रेस शासन के दौरान स्वीकृत विकास कार्यो को पूर्ण करवाने को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी बारां द्वारा राज्य के पूर्व खान एवं गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया के नेतृत्व में जिला कलक्टर कार्यालय पर 23 सितम्बर को दोपहर 12.00 बजे धरना प्रदर्षन किया जावेगा। कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि निम्नांकित मांगो को लेकर 23 सितम्बर को दोपहर 12.00 बजे जिला कलक्टर कार्यालय पर पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया के नेतृत्व में बारां जिले के कांग्रेसजनों, जनप्रतिनिधियों द्वारा धरना प्रदर्षन किया जावेगा। जिनमें बारां जिले में अत्यधिक वर्षा होने से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है तथा किसानो के द्वारा दो-तीन बार खेतों में बुवाई करने पर भी बारिश से बीज मार की स्थिति उत्पन्न हुई हैं जिससे खेत खाली है तथा उनको भारी नुकसान का सामना करना पड़ा हैं। कांग्रेस प्रशासन से माँग करती हे कि सम्पूर्ण बारां जिले को आपदा ग्रसित घोषित कर जिन किसान भाईयों की फसलों को नुकसान हुआ है तथा जिन किसान भाईयों की पिछली फसल की मुआवजा राशि बकाया है, उन्हें अतिशीघ्र मुआवजा राशि उपलब्ध करवायी जावे। दूसरा किसानों को डीएपी एवं यूरिया उपलब्ध नही हो पा रहा है जिनके कारण उनको काफी परेशानी का सामना करना पड रहा है इसलिए सुव्यवस्थित कार्ययोजना बनाकर मांग के अनुसार किसान भाईयों को डीएपी, यूरिया खाद उपलब्ध करवाया जावे तथा किसानों को जबरदस्ती खाद के साथ दिए जा रहे अटेचमेंट को रोका जाये। तीसरा ये कि स्मार्ट मीटर के कारण उपभोक्ताओं के अनावश्यक भारी राशि के बिल आ रहे है तथा बारां जिले में जहां पर स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके है वहां पर उपभोक्ताओं के कई गुना अधिक राशि के बिल आने शुरू हो गए इसलिए मांग है कि बारां जिले में स्मार्ट मीटर लगाया जाना बंद किया जावे। चौथा ये कि बारां शहर में सीवरेज कार्य के कारण गुणवत्ता पूर्वक कार्य नही किए जाने के कारण सड़के टूटी-फूटी एवं क्षतिग्रस्त हो चुकी है जिसके कारण आमजन का चलना-फिरना दूभर हो गया है तथा आए दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है। हमारी मांग है कि गुणवत्तापूर्वक तरीके से सड़क निर्माण का कार्य करवाया जाकर आमजन को राहत प्रदान करें। बारां जिले के कई स्कूलों के भवन, शौचालय क्षतिग्रस्त है तथा कई स्कूलों में पेयजल, सुलभ शौचालय की सुविधा नही है। हमारी मांग है कि ऐसे स्कूलों के भवन, शौचालयों की मरम्मत करवायी जावे तथा पेयजल, सुलभ शौचालय की सुविधा उपलब्ध करवायी जावे। भारी बरसात के कारण बारां जिले की अधिकांश सड़कें बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है। हमारी मांग है कि बारां जिले की क्षतिग्रस्त सड़कों को पेचवर्क करवाया जाकर आमजन को राहत प्रदान की जावे। कांग्रेसराज में स्वीकृत बारां-मांगरोल-इटावा सड़क का कार्य शुरू करने के साथ-साथ बारां जिले में कांग्रेस सरकार के समय स्वीकृतशुदा जनहित से जुडे हुए सेक्टर सड़क, पेयजल, सिंचाई, बिजली, चिकित्सा एवं षिक्षा के कार्यो को गति देकर पूर्ण करवाया जावे।

# यादव रेजीमेंट की मांग का समर्थन करते हुए हिंदू अखाड़ा समिति ने रेजांग लॉ रज कलश यात्रा का किया भव्य स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका)। 1962 में रेजांगला युद्ध में शहीद हुए 144 यादव सैनिकों की शहीद स्थल की पवित्र माटी को लेकर यादव महासभा द्वारा यादव रेजीमेंट की मांग को लेकर भारत के विभिन्न भू भागों राज्य में होती हुई आज बारां पहुंचने पर हिंदू अखाड़ा समिति द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए पवित्र माटी के कलश की पूजा अर्चना के साथ श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

हिंदू अखाडा समिति के पदाधिकारी उस्ताद मोहन सुमन एवं उस्ताद पवन पांचाल द्वारा सामूहिक रूप से बताया गया कि हिंदू अखाड़ा समिति अध्यक्ष मुकेश शर्मा नेपाली के नेतृत्व में आज हिंदू अखाड़ा समिति द्वारा यादव रेजीमेंट की मांग का समर्थन करते हुए रेजांगला राज कलश यात्रा का पूजा अर्चना कर पुष्पांजलि के साथ यात्रा का नेतृत्व कर रहे यादव महासभा के जनरल सेक्रेटरी दिनेश यादव सहित यादव महासभा के पदाधिकारीयो का बारां नगर वासियों की ओर से स्वागत एवं सम्मान किया गया। साथ ही यादव समाज के समस्त सदस्यों का जो सैकड़ों की संख्या में मोटरसाइकिल रैली के रूप में चल रहे थे, उन पर भी पुष्प वर्षा की गई। यादव महासभा के पदाधिकारी ने यादव महासभा के द्वारा यादव रेजीमेंट की मांग का समर्थन करने के साथ-साथ कलश यात्रा का स्वागत एवं सम्मान करने पर हिंदू अखाड़ा समिति का आभार व्यक्त करते हुए कलश यात्रा समापन समारोह में दिल्ली आने का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर दिनेश सोनी, उस्ताद मोहनलाल सुमन, पवन उस्ताद, गोविंद शर्मा, धर्मराज बैरवा, विकास शर्मा, महेश नागर, हेमंत पांचाल, लीलाधर वर्मा, पुष्पराज सुमन, रामविलास बैरवा, दिनेश अग्रवाल, रूबी सुमन, मन्नू नामा सहित दर्जन पदाधिकारी सदस्य उपस्थित थे।

# पाली AIMIM पदाधिकारियों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सामूहिक इस्तीफ़ा दिया

**मोहम्मद यासीन**

पाली (रॉयल पत्रिका)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) पाली की पूरी ज़िला टीम ने भ्रष्टाचार और पक्षपात के आरोप लगाते हुए सामूहिक इस्तीफ़ा दे दिया है। जिला अध्यक्ष आसिफ़ ख़ान सिलावट समेत सभी पदाधिकारियों ने प्रदेश नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि 22 जून 2025 को जयपुर में हुई बैठक में ज़िला प्रभारी द्वारा पार्टी टिकट के लिए पैसे मांगने की ऑडियो रिकॉर्डिंग प्रस्तुत करने के बावजूद उच्च नेतृत्व ने कार्रवाई करने के बजाय उसे नज़रअंदाज़ कर दिया। इस्तीफ़ा पत्र में बताया गया है कि प्रदेश उपाध्यक्षों और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने पदाधिकारियों के मोबाइल तक जमा करवाए और यह तक कहा कि "पार्टी टिकट के पैसे लेगी,

अगर पैसे नहीं लेगी तो पार्टी कैसे चलेगी।" पदाधिकारियों ने इसे AIMIM की मूल विचारधारा और ईमानदार कार्यकर्ताओं के परिश्रम के साथ विश्वासघात बताया। उनका कहना है कि भ्रष्टाचार और गलत नीतियों को समर्थन देना किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है। सामूहिक इस्तीफ़ा देने वालों में ज़िला अध्यक्ष आसिफ़ ख़ान सिलावट, विधानसभा अध्यक्ष गुलाम हुसैन सर, शहर अध्यक्ष निज़ाम सोढा सिन्धी, विधानसभा उपाध्यक्ष मोहम्मद अयूब सुलेमानी, विधानसभा महासचिव नदीम कुरैशी, जिला महासचिव फिरोज सामरिया समेत 15 से अधिक पदाधिकारी शामिल हैं। पदाधिकारियों ने साफ कहा कि वे भविष्य में भी मजलूमों और समाज की सेवा करते रहेंगे लेकिन भ्रष्टाचार और ग़लत नीतियों का समर्थन नहीं करेंगे।

# कायमखानी छात्रावास में भामाशाह सम्मान समारोह शनिवार को

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान कायमखानी महासभा, चुरू जिला इकाई की तरफ से कायमखानी छात्रावास में "भामाशाह सम्मान समारोह शनिवार को होगा जिसके मुख्य अतिथि भामाशाह रफीक मंडेलिया होंगे आपके द्वारा कायमखानी छात्रावास में एक हॉल का निर्माण करवाया गया है उस हॉल का उद्घाटन भी आपके द्वारा किया जाएगा और छात्रावास में जिन भामाशाहों ने आर्थिक सहयोग किया है उनका भी सम्मान किया जाएगा चुरू जिला अध्यक्ष मुंशी खान चाँदखानी, शहर अध्यक्ष रमजान खान जोईया, महासभा के पदाधिकारी भंवरू खान ठेकेदार, जाकिर खान के के, इकबाल खान कबीरखानी, आमीन खान, जावेद खान एडवोकेट, अख्तर खान रुकनखानी, शाहबाज

खान, गफ्फार खान, पप्पू भाई आदि तैयारी में जुड़े हुए हैं। समान समारोह की तैयारी पूर्ण हो चुकी है। चुरू कायमखानी छात्रावास कमेटी अध्यक्ष जब्बार खान अलफखानी ने बताया कि भामाशाह सम्मान समारोह यहां कायमखानी छात्रावास में सुबह 10:00 बजे शुरू होगा जिसमें जिले भर से भामाशाह जिन्होंने छात्रावास में सहयोग किया है उनका सम्मान किया जाएगा और उनकी टीम के द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। ओर एक शानदार सफल आयोजन होग शहर एवं देहात से सभी को आमंत्रित किया गया है। और हमारी टीम लगी हुई है सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से मुकम्मल हैं।

# मोहल्ले वासियों ने पीने के पानी की समस्या को लेकर जलदाय विभाग को ज्ञापन सौंपा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित मदिना मस्जिद के पास वार्ड संख्या 12 में एक सप्ताह से ट्युबेल की मोटर खराब हो गई । मोटर खराब होने के कारण पुरे मोहल्ले में पानी की समस्या ज्यादा हो रही है इसी कारण आज पूर्व पार्षद जाफर खान जोईया के नेतृत्व में मोहल्ले वासियों ने एक्शन, एइन व जेईएन और संबंधित ठेकेदार को लिखित में शिकायत दी गई और कहा कि उक्त समस्या का सामाधान अतिशीघ्र किया जाए क्योंकि मूलभूत समस्या है और पानी के बगैर जीवन नहीं है यदि समस्या

का निवारण नहीं किया गया तो हम वार्ड वासी जिला कलेक्टर व अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। जिसकी जवाबदारी जिला प्रशासन की होगी सभी मोहल्ले वासीयो ने मदीना मस्जिद के पास ट्यूबवेल पर एकत्रित होकर फिर जलदाय विभाग कार्यालय में ज्ञापन दिया।

# चूरू 165 एसपीएल पूनिया कॉलोनी रेल्वे फाटक 21 व 22 सितंबर को अस्थाई बंद

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित लेवल क्रॉसिंग संख्या 165 एसपीएल (पूनिया कॉलोनी रेल्वे फाटक) चूरू-सादुलपुर दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत निर्माण एवं पटरी जोड़ने के कार्य हेतु 21 सितंबर, 2025 को रात्रि 09 बजे से 22 सितंबर, 2025 को रात्रि 10 बजे तक अस्थाई रूप से बंद रहेगा। चूरू उपखंड अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि इस दौरान सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। वैकल्पिक मार्ग एलसी नंबर 165 (ओम कॉलोनी फाटक) व एलसी नंबर 167 (अग्रसेन फाटक) से आवागमन संभव रहेगा। इसी के साथ यातायात व्यवस्था, वैकल्पिक मार्गों की उपयुक्त स्थिति को लेकर निर्देश दिए गए हैं।

# भारत विकास परिषद ने नेहड़ क्षेत्र में बाढ़ प्रभावितों को पहुंचाई राहत सामग्री

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। भारत विकास परिषद की ओर से नेहड़ क्षेत्र में अतिवृष्टि एवं लूनी नदी की बाढ़ से प्रभावित लोगों को सहायता के लिए भामाशाहों के आर्थिक सहयोग से रसोई किट का वितरण किया गया। नेहड़ क्षेत्र का संपर्क वर्तमान में सीधे मार्गो से कटा हुआ है जिसके चलते सेवा कार्यकर्ताओं को ग्रामीणों की मदद को गांधव, डूंगरी, भीमगुड़ा होते हुए सुराचन्द भलाइयों की ढाणी वर्षापुरा, सम्मो की ढाणी सहित अन्य गांवों तक पहुंचना पड़ा। राहत सामग्री को लेकर करीब 3 फीट भर पानी में ट्रैक्टर द्वारा ले जाया गया। करीब 2 फीट तक पानी से भरे मार्गों पर ही रात सामग्री का वितरण करना पड़ा। सुराचंद के राणा देवी सिंह के सहयोग से कुल 200 किट का वितरण शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। सेवा कार्य में भारत विकास परिषद अध्यक्ष जुगराज बाफना, पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर विष्णु दास वैष्णव, उपाध्यक्ष महेंद्र जी सोनगरा, सचिव डॉक्टर उदाराम वैष्णव,अशोक बोहरा एवं परिषद कार्यकर्ताओं ने सहभागिता निभाई।

# आलीसर के निवासी कालूराम करीरा को चौमूं तहसील यादव समाज की ओर से इकाई अध्यक्ष की नियुक्ति

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के के स्थित दौलशाहा बाबा की दरगाह के कृष्ण छात्रावास यादव समाज के जिला अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश प्रसाद खातोदिया के निर्देश अनुसार चौमूं तहसील अध्यक्ष सुभाष डागर के द्वारा ग्राम पंचायत आलीसर के निवासी कालूराम करीरा को आलीसर पंचायत का इकाई अध्यक्ष की नियुक्ति की गई। अध्यक्ष बनते ही यादव समाज के बंधुओ ने कालूराम करीरा को मसाफ़ा बधाकर सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व वार्ड पंच शंकर लाल खातोदिया, डॉ. रामावतार यादव, प्रभु नारायण यादव, बंशीधर यादव, कानाराम यादव, गिरधारी लाल,सहित यादव समाज के बंधुओ ने बाबा भूधर दास जी महाराज की तपोस्थली परिसर में यह कार्यक्रम आयोजन हुआ।

# ग्रामीण सेवा शिविर पखवाड़े में 8 महिलाओं की गोद भराई का आयोजन

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। गोविंदगढ़ पंचायत समिति के स्थित कार्यालय बाल विकास परियोजना अधिकारी गोविंद गढ़ के तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम गोविंदगढ बाल विकास परियोजना अधिकारी मनोरमा शर्मा के सानिध्य में 8 वां राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान 17 सितंबर 2025 से 16 अक्टूबर 2025 तक महिलाओं को बच्चों को गर्भवती धात्री माताओं को प्रतिदिन पोषण से संबंधित जानकारी दी जाएगी। तथा 19 सितंबर 2025 को ग्राम पंचायत तिगरिया में ग्रामीण सेवा शिविर पखवाड़ा के आयोजन में कार्यकर्ताओं द्वारा 8 महिलाओं की गोद भराई एवं पांच प्रधानमंत्री मातृत्व योजना के फॉर्म भरे गए, 15 बच्चों के केवाईसी करवाई गई। इस कार्यक्रम में चौमूं से उपखंड अधिकारी दिलीप सिंह, सी बी ओ कृपा निधि, सरपंच दीप्ति शर्मा द्वारा महिलाओं की गोद भराई कार्यक्रम करवाया गया। आज का कार्यक्रम ग्राम पंचायत तिगरिया पंचायत परिसर में गोविंदगढ़ बाल विकास परियोजना महिला अधिकारी पर्यवेक्षक शांता सोनी द्वारा विस्तार से सभी महिलाओं कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई है।

# श्री छः न्याति ब्राह्मण महासभा चूरू ने पूनम पारीक हत्याकांड के सिलसिले में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आज श्री छः न्याति ब्राहम्ण महासंघ चूरू के जिलाध्यक्ष पंडित महेश बावलिया के नेतृत्व में सरदारशहर में हुई पूनम पारीक हत्याकांड के दोषियों को सजा दिलाने एवम् परिजनो को न्याय दिलाने के लिए मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर एवम् जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में छः न्याति महासंघ चूरू इकाई ने मांग की कि इस जघन्य हत्याकांड के आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दिलाकर पिड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाये। इसमें मांग की गई है कि इस हत्या कांड की उच्च स्तरीय एवम् निष्पक्ष जांच कराने के लिए एसआईटी का गठन किया जाये इसके अलावा डीएनए फॉरेन्सिक रिर्पोट, पोस्ट मार्टम रिर्पोट, नार्को टैस्ट का परिणाम सार्वजनिक किया जाये। इस ज्ञापन में कहा गया है कि पिड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाये एवम् आर्थिक सहायता प्रदान की जाये। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष पंडित महेश बावलिया ने कहा कि समाज में बेटियों की सुरक्षा पुख्ता की जाये इस संदर्भ में आज ज्ञापन सौंपा गया है जिसमें पिड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की गई है। उन्होने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश सरकार इस संदर्भ में न्यायोचित कार्यवाही कर दोषियों पर सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही करेगी जिससे समाज में बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर योगेश गौड़, राकेश औझा, रमेश पारीक, गुरूदास भारती,रवि दाधीच, गोरीशंकर पाटील, राजीव काछवाल सहित छः न्याति समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# केंद्र की योजनाओं को लेकर गांव-गांव पहुंची टीम

## -महिलाओं एवं बच्चों को बताए उनके अधिकार और फायदे

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की टीम गुरुवार को हिंडोली के सथूर और हरिपुरा गांव पहुंची। यहां राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित कार्यक्रमों में महिलाओं और छात्राओं को न सिर्फ योजनाओं की जानकारी दी गई, बल्कि प्रदर्शनी और रोचक प्रतियोगिताओं के जरिए उन्हें जागरूक भी किया गया।

**सहायक निदेशक ने गिनाएं एक-एक योजना के लाभ-**

कार्यक्रम में मंत्रालय के सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बन सकती हैं। उन्होंने बताया कि कैसे प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन, सुकन्या समृद्धि योजना से बेटियों का भविष्य सुरक्षित करना और पीएम स्वनिधि योजना से अपना काम शुरू करने के लिए लोन मिल सकता है। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन, स्वरस्थ् नारी- सशक्ता परिवार, पोषण अभियान, जीएसटी सुधार और संविधान में दिए गए नागरिकों के अधिकारों व कर्तव्यों के बारे में भी विस्तार से समझाया।

**सही जवाब दो, इनाम पाओ-**

कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए योजनाओं और संविधान पर आधारित एक सवाल-जवाब प्रतियोगिता (प्रश्नोत्तरी) भी रखी गई। इसमें महिलाओं और छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सही जवाब देने वालों को केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से मौके पर ही पुरस्कृत कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। इस दौरान सथूर स्कूल की प्रिंसिपल मीना देवी साहू ने बालिका शिक्षा पर, शिक्षिका अनिता जोशी ने महिला सशक्तिकरण पर और हरिपुरा स्कूल के प्रधानाध्योपक छोटू लाल मीणा ने मिड-डे-मील योजना पर अपने विचार रखे।

# ग्रामीण सेवा शिविरों में सेवा से सुशासन का संकल्प हो रहा है चरितार्थ नन्ही क्रिया को पेंशन

## -देव मंजुला को पालनहार, तुलसी को पशु बीमा का मिला लाभ

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल पर ग्रामीण क्षेत्रों में समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु आयोजित किया जा रहें ग्रामीण सेवा शिविर सेवा से सुशासन के संकल्प को चरितार्थ कर रहे हैं। शिविरों में कहीं 60 वर्ष पुराने तो कहीं 50 से 40 वर्ष पुराने प्रकरण का हाथों हाथ निस्तारण होने से तो कहीं पेंशन, पालनहार जैसी योजनाओं सेआमजन को राहत मिल रही है।

**थाणा में नन्ही क्रिया को पेंशन रू 25 वर्ष पुराने प्रकरण का हुआ निस्तारण-**

पंचायत समिति डूंगरपुर की ग्राम पंचायत थाणा में आयोजित शिविर ऑटिज्म से पीड़ित नन्ही क्रिया और विद्याशंकर पिता हैमराज व रामलाल पिता पेमजी पाटीदार के लिए राहत का संदेश लेकर आया। सुश्री क्रिया सुथार पिता विनोद सुथार ऑटिज्म से पीड़ित है। शिविर में जहां सामाजिक न्याय एवं अधिकारी का विभाग के माध्यम से पेंशन हेतु आवेदन करवाते हुए मौके पर ही उपखंड अधिकारी साबरमल अवासरा, तहसीलदार जिया उर रहमान सामाजिक सुरक्षा अधिकारी पिंकी मीणा द्वारा कार्रवाई कर हाथों-हाथ पीपीओ जारी किया गया वही विद्या शंकर पिता हेमराज तथा रामलाल पिता पेमजी पाटीदार के 25 वर्ष पुराने खाते की कृषि भूमि के बंटवारे का निस्तारण हुआ। तहसीलदार डूंगरपुर जियाउर्रहमान द्वारा नियमानुसार तत्काल कार्यवाही करते हुए आपसी सहमति से मौके पर ही बंटवारा किया गया एवं राहत प्रदान की गई। शिविर में ग्राम पंचायत थाणा के सरपंच रमिला मनात एवं ब्लॉक नोडल अधिकारी, उपखण्ड अधिकारी डूंगरपुर, तहसीलदार डूंगरपुर एवं विकास अधिकारी डूंगरपुर मय टीम उपस्थित रहें। शिविर में रास्ते, नामान्तरण,गैर खातेदार से खातेदारी के कुल 136, राजस्व न्यायलय के 4 संबंधी नोटिस एवं तामिली, बंटवारे-4, रास्ते के प्रकरण-4, नामान्तरण-8, कुर्रजत-1, न्यायलय की शुद्धि (136)-4, फार्म रजिस्ट्री -6, किसान लाभार्थी एप डाउनलोड-50, गिरदावरी-16। समाज कल्याण विभाग के द्वारा पेशन के नये आवेदन -2, पैशन सत्यापन- 2, व्हील चौयर का आवेदन- 1, पालनहार सत्यापन- 3, पशुपालन विभाग के द्वारा मंगला पशु बीमा योजना पोलिसी वितरण कर कर पशुपालकों को लाभांवित किया गया।

**सामलिया में 60 वर्ष बाद राजस्व रिकॉर्ड में शुद्ध होने से छलके खुशी के आंसू-**

ग्रामीण सेवा शिविर के अंतर्गत पंचायत समिति सागवाड़ा की ग्राम पंचायत सामलिया में 60 वर्ष बाद राजस्व रिकॉर्ड में शुद्धि होने पर प्रार्थी हरि पुत्र कचरू के खुशी से आंसू छलक पड़े वहीं नवनीत पंडया को स्वामित्व योजना के अंतर्गत पटटा मिलने पर सरकार का आभार व्यक्त किया। सामलिया ग्राम पंचायत में आयोजित ग्राम सेवा शिविर में हरी पुत्र कचरू जाति मीणा निवासी सुंदरपुर ग्राम पंचायत सामलिया द्वारा प्रार्थना पत्र पेश किया।

# एमएसएमई से जुड़े विषयों पर चित्तौड़गढ़ में टाउन हॉल बैठक आयोजित

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बुधवार, 17 सितम्बर को चित्तौड़गढ़ शहर में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSME) से संबंधित विषयों पर टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भारतीय रिज़र्व बैंक, जयपुर के उप महाप्रबंधक विकास अग्रवाल ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और असमानता को कम करने में एमएसएमई क्षेत्र की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि आधुनिक तकनीकी नवाचारों के माध्यम से डिजिटल और लागत-प्रभावी ऋण सुविधा सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही उद्यमियों से आग्रह किया कि वे अपने व्यवसायिक कार्यों में बैंकिंग चैनलों का उपयोग कर डिजिटल पदचिह्न बढ़ाएं। बैठक के दौरान राहुल देव सिंह (महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र), मोहन सिंह राठौड़ (क्षेत्रीय प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक), कवीश कुमार शर्मा (क्षेत्रीय प्रबंधक, राजस्थान ग्रामीण बैंक), वीरेंद्र चारण (सहायक महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक) एवं अमित तुकड़िया (उप क्षेत्रीय प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा) ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम में विभिन्न एमएसएमई इकाइयों के उद्यमियों, संभावित उद्यमियों तथा एमएसएमई क्षेत्र में सेवारत प्रमुख बैंकों के प्रतिनिधियों सहित 180 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

# जन सुरक्षा का संतृप्ति महाअभियान: बाड़ी ग्राम में मेगा कैंप का आयोजन

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के आह्वान पर राजस्थान ग्रामीण बैंक द्वारा शुक्रवार को जिले के ग्राम बाड़ी (निंबाहेड़ा) में जन सुरक्षा की संतृप्ति हेतु मेगा कैंप आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि राज्यभर में इस दिन 1600 मेगा कैंपों का आयोजन किया गया। केंद्रीय स्तर पर इनका उद्घाटन भारतीय रिज़र्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक नवीन नामबियार ने वर्चुअल माध्यम से किया। जिला स्तरीय मेगा कैंप की अध्यक्षता राजस्थान ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक कवीश कुमार शर्मा ने की। कार्यक्रम में महेंद्र डूडी (जिला विकास प्रबंधक, नाबार्ड), परेश टाक (अग्रणी जिला प्रबंधक), गोपाल आजना (पूर्व प्रधान) एवं बलवंत चपलोत (पूर्व सरपंच, बाड़ी) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कैंप में बैंक एवं नाबार्ड अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों

को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, साइबर सुरक्षा, बैंक की जमा एवं ऋण योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही प्रधानमंत्री के आह्वान पर री-केवाईसी अभियान को शत-प्रतिशत पूर्ण करने हेतु किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत कराया गया। वित्तीय साक्षरता केंद्र, निंबाहेड़ा के प्रतिनिधि रणजीत शर्मा ने खंड में चल रही वित्तीय साक्षरता गतिविधियों की जानकारी दी। सुबह 11:30 बजे प्रारंभ हुए इस मेगा कैंप में 600 से अधिक ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं एवं महिलाएं शामिल हुए। कैंप में बैंक मित्रों ने मौके पर ही अनेक खातेदारों का री-केवाईसी, जन सुरक्षा योजनाओं में नामांकन, जनधन खाते खोलना एवं खातों में नॉमिनेशन आवेदन प्राप्त करने का कार्य किया। समारोह के अंत में शाखा प्रबंधक बाड़ी संदीप कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। मंच संचालन क्षेत्रीय कार्यालय अधिकारी अंकुश पांडे द्वारा किया गया।

# जिला कलक्टर ने किया ग्रामीण सेवा शिविरों का अवलोकन

## -शत प्रतिशत फॉर्मर रजिस्ट्री करने के दिए निर्देश

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। सेवा पखवाड़ा 2025 के अन्तर्गत आयोजित ग्रामीण सेवा शिविरों का जिला कलक्टर लोक बन्धु के द्वारा गुरूवार को अवलोकन किया गया। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने पालरा एवं बीर ग्राम पंचायतों में आयोजित ग्राम सेवा शिविर का निरीक्षण कर आमजन को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। स्वामित्व योजना के दस्तावेजों का शत प्रतिशत वितरण सुनिश्चित कराएं। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से जुड़े समस्त किसानों की भी फॉर्मर रजिस्ट्री होनी चाहिए। साथ ही किसानों को गिरदावरी एप का उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया गया। इससे गिरदावरी का कार्य तेज गति से हो पाएगा। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित ग्राम पंचायत के समस्त 10 वर्ष से अधिक आयु के विद्यार्थियों के बैंक खाते आवश्यक रूप से खुलवाए। न्यायलयों के भी सभी नोटिस तामील होने चाहिए। समस्त सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें। पालनहार योजना के लाभार्थियों के सम्पर्क में रहकर सत्यापन करावें। समस्त किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की पोलिसी वितरित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्त विभाग द्वारा समस्त पुरानी शिकायते प्री-कैम्प के दौरान ही निस्तारित कर देनी चाहिए। बिजली के झुलते तारों को ठीक करवाएं। पण्डित दीन दयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव के अन्तर्गत भी निर्देशानुसार कार्य किया जाना सुनिश्चित करें। निक्षय पौषण योजना से समस्त पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें। व्यक्तियों की समस्त प्रकार की स्क्रीनिंग करवाकर निदान करने की कार्यवाही प्री-कैम्प से ही करनी चाहिए। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी गरिमा नरूला, जिला रसद अधिकारी मोनिका जाखड़, तहसीलदार ओम सिंह लखावत, विकास अधिकारी श्री सुधीर पाठक सहित जन प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

# ग्रामीण सेवा शिविर किशोर को मिला शिविर में पालनहार योजना का लाभ

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा आयोजित सेवा पर्व पखवाड़ा के तहत ग्राम पंचायत सरमालिया प्रार्थीया सन्तोक देवी शिविर प्रभारी के समक्ष उपस्थित होकर बताया कि राजू खारोल के पिता गोरधन खारोल का 7 वर्ष पूर्व ही निधन हो गया और उसकी माता नाता विवाह करके अन्यत्र चली गयी। इससे बच्चे को दादा भैरु लाल खारोल लालन पोषण करते हैं। शिविर प्रभारी को अपनी समस्या का समाधान करने को कहा। शिविर प्रभारी ने तत्काल शिविर में उपस्थित सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के प्रतिनिधि को बुलाकर प्रार्थीयां की समस्या के समाधान हेतु निर्देशित किया। विभागीय प्रभारी ने अविलंब कार्यवाही करते हुए प्रार्थीयां के भतीजे राजू खारोल पुत्र गोरधन खारोल को तत्काल पालनहार योजना में लाभ दिलाने हेतु पालनहार योजना में रजिस्ट्रेशन किया। अब उसको पालनहार योजना का लाभ नियमित रूप से मिलता रहेगा। प्रार्थीयां ने मुख्यमंत्री महोदय एवं उपखण्ड प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

# डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय में नशा मुक्ति काउंसलिंग जागरूकता कार्यशाला आयोजित

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू एवं जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में जारी नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत एवं सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर राष्ट्रीय एवं जनसुरक्षार्थ श्रद्धांजलि स्वरुप नई किरण नशा मुक्ति केंद्र डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय श्रीगंगानगर में विशेष काउंसलिंग एवं मोटिवेशनल कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के विक्रम ज्याणी ने छात्रों से कहा कि आज की पीढ़ी के सामने सबसे बड़ी चुनौती जिम्मेदारी और सही चुनाव की है। जिंदगी को सफल बनाने के लिए हमें अपने विचार और आदतों को बदलना होगा। सकारात्मक नजरिया विकसित करें और भटकाव से बचें। उन्होंने कहा कि मीडिया में नशे को आनंद का माध्यम दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल भिन्न होती है। युवाओं को चाहिए कि वे गलत आदर्शों को अपनाने के

बजाय गुणवत्तापूर्ण और जिम्मेदार युवा बनने की दिशा में कदम बढ़ाएं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जिंदगी बार-बार मौका नहीं देती, यह आपके फैसलों पर निर्भर करती है कि आप इसे किस दिशा में ले जाते हैं। हमारा उद्देश्य युवाओं को नशे के खतरे से अवगत करवाना, उन्हें सही दिशा में प्रेरित करना और समाज में नशामुक्त वातावरण बनाने के लिए जागरूकता फैलाना है। आज से सभी युवा संकल्प लें कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और अपने परिवार, दोस्तों और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। इसके लिए सभी युवाओं को सुरक्षा कवच बैज वितरित किये गये। कार्यशाला में मौजूद युवाओं ने इस संदेश को गंभीरता से लिया और समाज में नशामुक्त वातावरण बनाने की शपथ ली। डॉ. रिंकू चावला ने सभी विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहकर उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित करना है। नशा सिर्फ शारीरिक और मानसिक नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक जीवन को भी बर्बाद कर सकता है।

# ग्रामीण सेवा शिविर गैर खातेदारी से मिला खातेदारी का अधिकार

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा आयोजित सेवा पर्व पखवाड़ा के अन्तर्गत ग्रामीण सेवा शिविर ग्राम पंचायत कोहड़ा के अटल सेवा केंद्र पर आयोजित शिविर में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। ग्राम मोलकिया के कृषक भगवान पुत्र सोराम नाथ (जाति कालबेलिया) ने शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्या रखी। उन्होंने बताया कि वे खसरा संख्या 1357/79 व 1358/83 (किता 2, रकबा 1.70 हैक्टेयर) भूमि पर गैर-खातेदारी के रूप में काश्त कर रहे हैं और खातेदारी हक प्राप्त करना चाहते हैं। तत्काल संज्ञान लेते हुए तहसीलदार केकड़ी, बंटी देवी राजपूत ने मौके पर ही गिरदावर एवं पटवारी को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश प्रदान किया। प्रशासन की संवेदनशीलता और त्वरित समाधानात्मक दृष्टिकोण के चलते मौके पर ही प्रकरण तैयार किया गया और तहसीलदार ने शिविर स्थल पर ही खातेदारी हक प्रदान करने का आदेश जारी किया। कृषक भगवान नाथ ने तहसील प्रशासन, शिविर प्रभारी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को हृदय से धन्यवाद दिया।

# रेहड़ी-पटरी वालों को मिला सहारा: स्वनिधि योजना के कैंप में हाथों-हाथ भरे लोन के फॉर्म, बैंकों को भेजे

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। शहर के रेहड़ी-पटरी और छोटे व्यापारियों (स्ट्रीट वेंडर्स) को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नगर परिषद ने गुरुवार को विशेष शिविर लगाया। शहरी सेवा शिविर 2025 के तहत शहर के वार्ड नंबर 31, 32, 33, 36 और 37 में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना पर केंद्रित कैंप लगाए गए।

**अटके आवेदनों को दी रफ्तार, नए आवेदन भी भरवाए-**

कैंप में नगर परिषद के अधिकारियों ने उन आवेदनों पर विशेष ध्यान दिया, जिन्हें बैंक पहले किसी कमी के चलते लौटा चुके थे। इन आवेदनों की जांच कर कमियों को दूर किया गया और उन्हें फिर से बैंकों को भेजा गया। इसके अलावा, जिन लोगों के लोन पहले से स्वीकृत हो चुके थे, उनका पैसा जल्द से जल्द वितरित करवाने के लिए बैंक अधिकारियों से समन्वय किया गया।

**13 वेंडर्स ने किया आवेदन-**

कैंप को लेकर स्ट्रीट वेंडर्स में अच्छा उत्साह दिखा। नगर परिषद की टीम ने योजना के तहत पहले ऋण (15 हजार) के लिए 8 आवेदन और दूसरे ऋण (25 हजार) के लिए 5 आवेदन पत्र भरवाकर संबंधित बैंकों को तत्काल प्रेषित किए। साथ ही मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना का भी एक आवेदन पत्र बैंक को भेजा गया हैं। अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत पहली बार में 15 हजार, दूसरी बार में 25 हजार और तीसरी बार में 50 हजार रुपए तक का लोन बैंकों के माध्यम से दिया जा रहा हैं।

**ऑनलाइन पोर्टल की लॉचिंग आज-**

सेवा पखवाडा के तहत 19 सितंबर को विश्व् कर्मा युवा उद्यम प्रोत्सानहन योजना के ऑनलाइन पोर्टल की लांचिंग होगी। इसके तहत जिला उद्योग केन्द्र द्वारा युवाओं से ऋण आवेदन प्राप्त किए जाएंगे।

# प्रभारी सचिव ने किया सीताफल उत्कृष्टता केन्द्र चित्तौड़गढ़ का निरीक्षण

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। प्रभारी सचिव एवं संयुक्त सचिव वित्त (कर) जयपुर नथमल डिडेल ने गुरुवार को निम्बाहेड़ा रोड स्थित सीताफल उत्कृष्टता केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केन्द्र पर संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया। सर्वप्रथम ग्रीन शेडनेट हाउस में तैयार विभिन्न सजावटी पौधों एवं मातृ क्यारियों का निरीक्षण कर पौध उत्पादन की सराहना की। इसके बाद इन्सेक्ट नेट हाउस में मेवाड़ क्षेत्र की जलवायु के अनुरूप तैयार सीताफल के ग्राफ्टेड पौधों का अवलोकन किया और इसे किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। डिडेल ने सब्जी एवं फल पौध उत्पादन हेतु निर्मित प्राइमरी हाईटेक नर्सरी का भी निरीक्षण किया, जहां टमाटर, मिर्ची एवं बैंगन के पौध तैयार किए गए हैं। उन्होंने उत्पादन एवं वितरण प्रणाली की जानकारी प्राप्त कर नर्सरी के समुचित उपयोग की प्रशंसा की। इसी प्रकार वॉकिंग

टनल में तैयार किए जा रहे खीरा पौधों को देखकर उन्होंने न्यूनतम समय में उत्पादन बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की और स्टाफ को नवाचार को बढ़ावा देने हेतु प्रेरित किया। जिला कलक्टर आलोक रंजन ने निर्देश दिए कि सीताफल बागान वाले किसानों का विवरण तैयार कर उन्हें एफपीओ (फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन) से जोड़ा जाए तथा नियमित बैठकें आयोजित कर सीताफल के प्रसंस्करण को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने बताया कि पंच गौरव योजना के तहत "एक जिला एक उपज" में चित्तौड़गढ़ जिले से सीताफल चयनित है, ऐसे में किसानों को संगठित कर सीताफल को ब्रांड स्वरूप देने की दिशा में कार्य किया जाए। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) प्रभा गौतम, उप निदेशक उद्यान डॉ. शंकर लाल जाट, परियोजना निदेशक आत्मा डॉ. प्रेम चन्द वर्मा, जिला उद्योग अधिकारी हरी चौधरी सहित सीताफल केन्द्र से कृषि अधिकारी नोविना शेखावत, सहायक कृषि अधिकारी दिनेश चन्द्र झंवर, कृषि पर्यवेक्षक माया मीणा एवं वरिष्ठ सहायक भरत सिंह उपस्थित रहे।

# विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने दी 1.34 करोड़ रुपए की सड़कों की सौगात

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरूवार को वार्ड 4 और 76 में कुल 134 लाख रूपए की लागत से बनने वाली सड़क निर्माण कार्यों का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि दीपावली से पूर्व शहर की सभी क्षतिग्रस्त सड़कें सुधार ली जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने गुरूवार को वार्ड 4 में मोती विहार की विभिन्न गलियों में 40 लाख रूपए की लागत से बनने वाली सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया। साथ ही वार्ड 76 स्थित शहीद मेजर नटवर सिंह शक्तावत मार्ग पर माकड़वाली रोड से ब्रेविया रेजिडेंसी तक 94 लाख रूपए की लागत से बनने वाली सड़क निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया। इन दोनों सड़कों की लागत 134 लाख रूपए है। इन सड़कों को सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा बनवाया जाएगा। देवनानी ने कहा कि अजमेर शहर के समग्र विकास के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं को त्वरित गति से विकसित किया जा रहा है। सड़क एवं नाला निर्माण से नागरिकों को आवागमन, स्वच्छता एवं जल निकासी की बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने आमजन से शहर को स्वच्छ रखने, विकास कार्यों में सहयोग और निर्माण कार्य की निगरानी करने का आह्वान भी किया।

# गैर-इरादतन हत्या के प्रयास में अभियुक्त जमानत पर रिहा

## -एडवोकेट फिरोज खान ने की पैरवी

बारां (रॉयल पत्रिका) । थाना कोतवाली बारां ने मुकदमा संख्या 319/2025 दर्ज कर अनुसंधान किया जिसमें फरियादी नाजिश खान ने बताया कि हैदर अली मुझे गोली मारने की धमकी देकर गया, ओर अपने तीनों भाइयों शहजाद, आशिक अखलाक को 10 मिनट बाद लेकर आया, जिन्होंने घर में घुस कर तलवार, गंडासा, और चाकू से वार किए, जिससे नाजिश के सर में गंभीर चोट आई, और फरियादी नाजिश ने ये भी आरोप लगाया कि सभी आरोपी ने मिलकर मेरी अम्मी, पापा, ओर बहन के साथ भी मारपीट की, इस पर पुलिस ने गंभीर धारा 115(2), 126(2), 331(6), 118(2), 3(5), 110 BNS व 4/25 आर्म्स एक्ट में चारों मुलजिमान को न्यायालय

में पेश कर जेल भेज दिया, जिस पर जिला एवं सेशन न्यायाधीश के समक्ष आशिक ओर अखलाक का प्रथम जमानत प्रार्थना पत्र पेश किया जिसे अधिवक्ता के तर्को पर गोर करते हुवे जमानत स्वीकार की गई, न्यायालय सीजेएम बारां में जमानत आदेश की पालना ने जमानत पेश कर दोनो अभियुक्तों की रिहाई सुनिश्चित करवाई गई सभी की ओर से पैरवी अधिवक्ता फिरोज खान ने की ।

# सेलेब्स ने पैसे देकर खरीदे फॉलोवर्स

**अमीषा पटेल ने बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में बताया कि कई लोग ऐसे हैं, जो उन्हें पसंद नहीं करते क्योंकि वह उनकी चापलूसी नहीं करती हैं। साथ ही शराब और सिगरेट नहीं पीती हैं। उन्होंने बताया कि कई सेलेब्स के सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स पैसे देकर खरीदे गए हैं।**

अमीषा पटेल का इनसाइडर्स पर गुस्सा फूटा। एक्ट्रेस अमीषा पटेल बेबाकी से अपनी बात रखती हैं। वह जिस फिल्म में काम करती हैं, उसके भी डायरेक्टर-प्रोड्यूसर की गलती बताने में पीछे नहीं हटतीं। उन्होंने एक इंटरव्यू में बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में अपनी राय रखी हैं। कहो ना... प्यार है की सफलता के बावजूद, उन्हें उस तरह का फेम नहीं मिला, जिसकी वह हकदार रहीं। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में कई ऐसे लोग हैं, जो उन्हें पसंद नहीं करते हैं।

एक्ट्रेस ने आगे बताया कि 90 फीसदी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया फॉलोवर्स खरीदे हुए होते हैं। एजेंसियां लोगों से कॉन्टैक्ट करती है और एक मोटा पैसा मांगती है। साथ ही उसके बदले वह उन्हें लाखों फॉलोवर्स देने का वादा करती है।

हम सभी से उस एजेंसी ने कॉन्टैक्ट किया है। कई सेलिब्रिटी सोशल मीडिया अकाउंट्स के फॉलोवर्स का एक बड़ा हिस्सा पेड है। ये रियल फॉलोवर्स नहीं हैं। मुझसे कई बार पैसे मांगे गए लेकिन हमेशा मेंने मना किया। मुझे अपने असली फैंस पसंद हैं। मैं नहीं चाहती कि लोग मुझे इसलिए फॉलो करें क्योंकि मैंने इसके लिए पैसे दिए हैं। अमीषा पटेल ने बातचीत में कहा, दर्शकों का प्यार मैटर करता है। चाहे आप किसी भी कैंप का हिस्सा हों। हां क्योंकि मैं किसी खास सर्कल में फिट नहीं बैठती और न शराब पीती और न स्मोक करती हूं और न ही काम के लिए चापलूसी करती हूं, जो भी कमाया है वो अपनी काबिलियत के आधार पर ही हासिल किया है। इसके कारण कुछ लोग मुझे पसंद नहीं करते हैं। मैं किसी के आगे पीछे नहीं घूमती।

### अमीषा का अकाउंट है रियल

एक्ट्रेस ने बताया, मेरा इंस्टा और ट्विटर अकाउंट रियल है। मैं कभी कोई फोटोशूट नहीं पोस्ट करती। अपनी फोटो जैसी होती है, वैसी ही अपलोड करी हूं। मेरी तस्वीरों में परफेक्ट कंपोजिशन, कैप्शन और फॉन्ट सही नहीं होता। मैं चाहती हूं कि मैं जैसी हूं, वैसी ही दिखूं।

### खुद को बताया आउटसाइडर

अमीषा पटेल ने आगे कहा कि खुद को आउटसाइडर कहा और बताया कि उनके लिए कितना चैलेंजिंग रहा, आपके लिए इंडस्ट्री में तब और मुश्किल होती है, जब यहां से आपका कोई बॉयफ्रेंड या फिर पति न हो। बिना खुद को पावर कपल के रूप में पेश करने पर भी मुश्किल हो जाता है। दूसरों से कम सपोर्ट मिलता है। उनके पास भी आपको सपोर्ट करने के लिए कोई खास वजह नहीं है क्योंकि आप एक आउटसाइडर हैं।

## विराट कोहली की बायोपिक नहीं बनाएंगे अनुराग कश्यप बताई बड़ी वजह

अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म निशानची के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में विराट कोहली और आलिया भट्ट के बारे में अपने विचार साझा किए हैं। उन्होंने सिनेमा को लेकर अपनी पसंद पर भी बात की है।

विराट कोहली की बायोपिक नहीं बनाएंगे

अनुराग कश्यप से पूछा गया कि क्या वह भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली की जिंदगी पर आधारित फिल्म बनाना पसंद करेंगे। इस पर कश्यप ने ना में जवाब दिया। फिल्मीज्ञान से बातचीत में अनुराग कश्यप ने कहा मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा करूंगा, क्योंकि वह पहले से ही बहुत लोगों के लिए हीरो हैं। कई बच्चों के हीरो हैं। अगर मैं कोई बायोपिक बनाऊंगा तो मैं कोई कठिन विषय चुनूंगा।

**विराट कोहली की तारीफ की**

अनुराग कश्यप ने विराट कोहली के बारे में कहा वह बहुत खूबसूरत इंसान हैं। मैं उन्हें बहुत अच्छी तरीके से जानता हूं। वह बहुत प्रमाणिक इंसान भी हैं। वह बहुत भावुक हैं। वह अविश्वसनीय इंसान हैं।

**आलिया भट्ट की तारीफ की**

निर्देशक ने आलिया भट्ट की इसलिए तारीफ की कि वह अपनी शर्तों पर जीती हैं। बॉलीवुड में महिलाओं को शादी के बाद या मां बनने के बाद अलग तरह से देखा जाता है। उन्होंने कहा उन्होंने (आलिया भट्ट) इंडस्ट्री पर इतने वर्षों से जो कर्ज था उसके बारे में कहा भाड़ में जाए। क्योंकि वह आगे बढ़ गईं। वह जिंदगी को उस तरह से जीती हैं जिस तरह से वह चाहती हैं। वह अभिनय करती हैं। उनकी वजह से कई लोगों को साहस मिला है। उन्होंने कई धारणाओं को तोड़ा है। वह बेहतरीन अदाकारा हैं। मैं उन्हें इसके लिए सलाम करता हूं।

**निशानची के बारे में**

अनुराग कश्यप अपनी अपकमिंग फिल्म निशानची को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म की कहानी 2000 के दशक की है। फिल्म से बाल ठाकरे के पोते ऐश्वर्या ठाकरे डेब्यू कर रहे हैं। वह फिल्म में डबल रोल में नजर आएंगे। निशानची 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रलीज होगी।

## लोगों को लगता है कि ऐक्टर्स की लाइफ में ग्लैमर है, फेम है तो उन्हें कोई समस्या नहीं

**श्रिया पिलगांवकर, एक सशक्त ऐक्ट्रस होने के साथ-साथ कथक डांसर और लेखिका भी हैं, जो मानती हैं कि महिलाओं को अपनी आवाज उठाने का हक है। श्रिया ने कहा- लोगों को लगता है कि ऐक्टर्स की लाइफ में ग्लैमर है, फेम है तो उन्हें कोई समस्या नहीं। हमारा नाइन टु फाइव जॉब नहीं होता है। कई महीने तक लगातार काम होगा।**

कैसे एक कलाकार लगातार खुद को खोजता रहता है, कभी कथक के मंच पर, कभी क्राइम ड्रामा की वर्दी में और कभी निर्देशक की कुर्सी पर। बीते दिनों अपनी वेब सीरीज 'छल कपट' के लिए लखनऊ आईं श्रिया ने लखनऊ के साथ अपने पुराने जुड़ाव को याद करते हुए अपनी रचनात्मक यात्रा और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बातचीत की।

### फिल्में डायरेक्ट और प्रोड्यूस करनी हैं

श्रिया पिलगांवकर ना केवल एक सशक्त कलाकारा हैं बल्कि एक प्रशिक्षित कथक नृत्यांगना, निर्देशक और उभरती हुई लेखिका भी हैं। उनका मानना है कि महिलाओं को स्क्रीन और सेट दोनों जगह अपनी आवाज बुलंद करने का पूरा हक है। अभिनय के अलावा वे निर्देशन भी पहले कर चुकी हैं और अब लेखन की ओर बढ़ रही हैं। उनकी यह बातचीत ना केवल इंडस्ट्री के पीछे की असलियत उजागर करती है बल्कि यह भी दिखाती है कि

### दबी भावनाएं फूटती हैं तो सारी भड़ास निकल जाती

हमारी सीरीज ह्यूमन रिलेशनशिप की कहानी है। मर्डर हुआ है दोस्तों के बीच। मर्डर जिसका हुआ है, वो इंफ्लुएंसर है। बाकी सब दोस्त हैं। हम यह दिखाना चाहते हैं कि कई बार गहरे रिश्तों में भी बहुत अनकही चीजें होती हैं। कुछ दबी हुई भावनाएं होती हैं। वो एक बार जब फूटती हैं तो सारी भड़ास निकल जाती है। इसमें दोस्ती की कहानी है। इसमें घरेलू हिंसा की भी थीम है। सबसे मजेदार मुझे इसमें अपना देविका राठौड़ का किरदार लगता है क्योंकि वो एक टिपिकल कॉप नहीं है। वो जिस तरह से पब्लिक प्लेस या अपने प्रोफेशन में स्ट्रॉन्ग है, ठीक उसके विपरीत पर्सनल लाइफ में उसने थोड़े इश्यूज फेस किए हैं। उसका पति हमेशा असुरक्षित रहता है। मुझे यह देखने को मिलता है कि जो महिलाएं मजबूत-आत्मनिर्भर होती हैं, ज्यादातर उनके पार्टनर उतने सपोर्टिव नहीं होते हैं। ये भी एक बारीक सी चीज है, जिसमें हमने एक्सप्लोर करने की कोशिश की है।

### ऐक्टर को इमोशनली बहुत स्ट्रॉन्ग रहना पड़ता है

आप जब एक ऐक्टर की जिंदगी जीते हो तो आपको इमोशनली बहुत स्ट्रॉन्ग रहना पड़ता है। दरअसल, लोगों को लगता है कि ऐक्टर्स की लाइफ में ग्लैमर है, फेम है तो उन्हें कोई समस्या नहीं। हमारा नाइन टु फाइव जॉब नहीं होता है। कई महीने तक लगातार काम होगा। फिर कहो बहुत टाइम हो जाए काम ही ना मिले। जब कुछ नहीं हो रहा होता है, तब आप अपनी लाइफ कैसे जीते हो, यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह मैंने अपने पापा से सीखा है क्योंकि वह खुद एक ऐक्टर-डायरेक्टर-प्रोड्यूसर हैं। कभी-कभी सिर्फ पैसिवली काम के लिए ना रुकना, हमेशा सही रास्ता नहीं होता है। आप उस रास्ते को बनाने की कोशिश कीजिए। दोस्तों के साथ मिलकर उसे बनाइए। इतने अच्छे-अच्छे राइटर्स हैं, जिन्हें मौका नहीं मिलता। मैं अभी बहुत इंडिपेंडेंट राइटर्स के साथ मिलकर काम करने की कोशिश कर रही हूं। मुझे एक रोमांटिक फिल्म करनी है। अगर सामने से वो नहीं आ रही तो कोशिश करूंगी कि मैं खुद के लिए उसे लिखूं। कोशिश आगे पता नहीं क्या रंग ले आए।

## निया शर्मा ने किए इंडस्ट्री में 15 साल पूरे

**टीवी इंडस्ट्री की चमकती सितारा निया शर्मा ने अपने अभिनय करियर के 15 साल पूरे कर लिए हैं। अपने बिंदास और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर निया ने इस खास मौके को धूमधाम से मनाया और सोशल मीडिया पर अपनी जर्नी की शानदार झलकियां साझा कीं।**

निया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कई वीडियो और तस्वीरें पोस्ट कीं, जो उनकी 15 साल की मेहनत और सफलता को दर्शाती हैं। पहली वीडियो में उनकी करियर की शुरुआत से लेकर अब तक की यात्रा दिखाई गई है, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 15 साल पूरे! दूसरी वीडियो उनके किसी फैन ने लगाई थी, जिसको निया ने रिपोस्ट किया। वीडियो में उनके सीरियल्स, म्यूजिक वीडियो और अवॉर्ड शो के खास पल शामिल हैं। तीसरी पोस्ट में निया एक खूबसूरत केक काटती नजर आई, जिस पर उनकी तस्वीर छपी थी। एक अन्य वीडियो में निया ने मजाकिया अंदाज में कहा, ये केक इतना प्यारा है कि मेरा मन इसे काटने को नहीं कर रहा! निया ने अपने करियर की शुरुआत 2010 में स्टार प्लस के धारावाहिक काली - एक अग्निपरिक्षा से की थी, जिसमें उन्होंने अनु का किरदार निभाया। इसके बाद वह एक हजारों में मेरी बहना है में मानवी चौधरी के किरदार में नजर आई थीं, जिसने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया था। इसके बाद निया ने जमाई राजा में रोशनी पटेल और इश्क में मरजावां और नागिन 4 में बृंदा पारेख जैसे किरदारों से दर्शकों का दिल जीता। अभिनय के साथ-साथ निया ने रियलिटी शो में भी अपनी प्रतिभा दिखाई। वह खतरों के खिलाड़ी 14 और झलक दिखला जा 10 का हिस्सा रह चुकी हैं। निया हाल ही में लाफ्टर शेफ्स - अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, रीम शेख, सुदेश लहरी, एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, अली गोनी और कश्मीरा शाह जैसे सितारे शामिल थे।

## राघव जुयाल ने बताया क्यों कैमरे के सामने नहीं हंसते हैं आर्यन

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान का पहला शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' अपनी रिलीज से पहले ही लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। शो का ट्रेलर सामने आने के बाद फैंस इसे देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। आर्यन खान को कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए काफी कम देखा गया है। अब 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का हिस्सा होने वाले अभिनेता राघव जुयाल ने आर्यन खान के कैमरे के सामने स्माइल न करने के पीछे की वजह का खुलासा किया है।

### वह मुस्कुराने से डरते हैं

द बॉलीवुड हंगामा के साथ बातचीत के दौरान राघव जुयाल ने अपने निर्देशक आर्यन खान को लेकर बात की। राघव ने कहा कि आर्यन को कैमरे के सामने मुस्कुराने का डर है। वह कैमरे के सामने मुस्कुराते नहीं हैं। उनको एटीट्यूड में रहना बहुत पसंद है। लेकिन हमारे साथ वह मजे भी करते हैं। उनमें एक बच्चों जैसी ऊर्जा है। लेकिन कैमरे के सामने उनकी आदत है, जो मुझे बहुत अच्छा लगता है और लड़कियों को भी।

### मैं एक दिन आर्यन को जरूर हंसाऊंगा

राघव ने आगे कहा कि मैंने उनको बोला है कि मैं एक दिन तुमको हंसाऊंगा जरूर कैमरा के आगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि नहीं नहीं भाई ऐसा मत करो। उसके बाद से वो जब भी मुझसे मिलते हैं मैं उनको बोलता हूं मैं तुम्हें पक्का हंसाऊंगा जरूर। इसी दौरान साथ में मौजूद लक्ष्य लालवानी ने आर्यन को लेकर कहा कि अगर वह कभी हंसते भी हैं, तो उसकी तस्वीरें कभी बाहर नहीं आएंगी।

# यूएई टीम में कोई भारतीय या पाकिस्तानी नहीं, हम एक परिवार हैं : कप्तान मोहम्मद वसीम

**दुबई (एजेंसी)।** एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही तनातनी का असर जहां दोनों टीमों और उनके क्रिकेट बोर्डों पर साफ दिख रहा है, वहीं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) टीम ने खेल भावना का शानदार उदाहरण पेश किया है। टीम के कप्तान मोहम्मद वसीम ने साफ किया कि उनकी टीम में खिलाड़ी चाहे भारतीय मूल के हों या पाकिस्तानी, सभी खुद को सिर्फ यूएई का प्रतिनिधि मानते हैं।

**टीम में बराबर हैं भारतीय और पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी** - यूएई क्रिकेट टीम की खासियत यह है कि इसमें भारतीय और पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों की बराबर संख्या है। भारतीय मूल के खिलाड़ियों में सिमरनजीत सिंह, राहुल चोपड़ा, हर्षित कौशिक, ध्रुव पराशर और अलीशान शराफू शामिल हैं। वहीं, दूसरी तरफ पाकिस्तान के मुल्तान में जन्मे कप्तान मोहम्मद वसीम, हैदर अली, जुनैद सिद्दीकी, मुहम्मद रोहिद और आसिफ खान टीम का हिस्सा हैं। हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के खिलाड़ियों ने पाकिस्तान टीम से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था, जिसके चलते विवाद गहरा गया, लेकिन वसीम ने अपनी टीम के माहौल को सकारात्मक बताया।

**हम यूएई टीम के लिए खेलते हैं** - तनाव का टीम के रिश्तों पर असर पड़ने के सवाल पर वसीम ने साफ इनकार किया। उन्होंने कहा,नहीं, हम उस तनाव के बारे में बात नहीं कर रहे हैं क्योंकि हम साथ में काफी क्रिकेट खेलते हैं। हम यहां एक परिवार की तरह हैं। यहां कोई भारतीय या पाकिस्तानी नहीं है। हम यूएई टीम के लिए खेलते हैं। हम एक परिवार की तरह खेलते हैं और एक परिवार की तरह रहते हैं। वसीम के इस बयान ने साफ कर दिया कि यूएई टीम ने बाहरी विवादों को अपने ड्रेसिंग रूम में जगह नहीं दी है।




**भारत-पाकिस्तान विवाद ने बढ़ाया तनाव** - मौजूदा टूर्नामेंट में तनाव तब और बढ़ गया जब रविवार को टॉस के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया। मैच के बाद भी भारतीय खिलाड़ियों ने हाथ मिलाने से इनकार किया, जिससे पाकिस्तान तिलमिला गया। इस घटना के बाद पाकिस्तान ने टूर्नामेंट से हटने की धमकी भी दे डाली थी और यूएई के खिलाफ अपने अगले मैच के लिए देर से स्टेडियम पहुंचा।

**वसीम ने वॉकओवर की अपील से किया इनकार** - पाकिस्तान के देर से आने के बावजूद यूएई टीम ने वॉकओवर की अपील नहीं की। इस पर वसीम ने कहा, सबसे पहले तो यह हमारी जिम्मेदारी या हमारा काम नहीं है। हम अपने खेल पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे। हम यहां खेलने आए थे और हमने वही किया। यह बयान दिखाता है कि यूएई टीम विवाद से दूरी बनाकर खेल पर ध्यान दे रही है।

**रऊफ ने भी विवाद को किया नजरअंदाज** - पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने भी इस मुद्दे पर बोर्ड को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा, देखिए, मैं दबाव महसूस नहीं कर रहा था क्योंकि ये चीजें मेरे नियंत्रण में नहीं थीं। यह बोर्ड (पीसीबी) का सिरदर्द है और वे इसे अच्छी तरह से संभाल सकते हैं।

# ये हैं टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले मध्य क्रम के बल्लेबाज

## लिस्ट में सूर्यकुमार यादव भी शामिल

ईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के टी20आई कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप 2025 में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर विजयी होने में टीम की मदद की। उन्होंने 47 रनों की मैच विजयी पारी खेलकर मेन इन ब्लू को 128 रनों के लक्ष्य तक पहुंचाया। हालांकि सूर्यकुमार एशिया कप से पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कुछ खास नहीं कर पाए थे लेकिन आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए उनके प्रदर्शन ने उन्हें अपनी फॉर्म वापस पाने में जरूर मदद की। 35 वर्षीय सूर्यकुमार ने इस आईपीएल सीजन में कुल 717 रन बनाए। सूर्यकुमार फिलहाल टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले गैर-ओपनर बल्लेबाज हैं। अब वह इस सूची में ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल को पछाड़ने से सिर्फ 19 रन पीछे हैं। इससे पता चलता है कि भारतीय कप्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं।

## जेवलिन थ्रो-वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइनल

# नीरज चोपड़ा बाहर, पाकिस्तान के अरशद नदीम भी मेडल से चूके

## आठवें नंबर पर नीरज तो सचिन यादव चौथे स्थान पर रहे

**टोक्यो (एजेंसी)।** टोक्यो में चल रही वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के जेवलिन थ्रो फाइनल में नीरज चोपड़ा आठवें स्थान पर चल रहे हैं। वहीं, ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट पाकिस्तान के अरशद नदीम मेडल की रेस से बाहर हो चुके हैं। एक अन्य भारतीय थ्रोअर सचिन यादव चौथे नंबर पर रहे। नीरज चोपड़ा ने पहला थ्रो 83.65 मीटर का थ्रो किया। उनका दूसरा थ्रो 84.03 मीटर का रहा और तीसरा थ्रो फाउल रहा। चौथे प्रयास में उन्होंने 82.86 मीटर का थ्रो किया। इस तरह चार राउंड के बाद उनका बेस्ट स्कोर 83.65 मीटर का रहा। नदीम ने पहला थ्रो 82.75 मीटर का थ्रो किया था। नदीम का दूसरा थ्रो फाउल रहा है। तीसरे प्रयास में 82.73 मीटर का थ्रो किया। उनका चौथा प्रयास फाउल रहा और वे 10वें नंबर पर रहते हुए मेडल की रेस से बाहर हो गए। इन दोनों से आगे सचिन यादव हैं। सचिन ने 86.27 मीटर का पहला थ्रो किया। सचिन का दूसरा थ्रो फाउल रहा। तीसरे प्रयास में उन्होंने 85.71 मीटर का थ्रो किया। उनका चौथा थ्रो 84.90 मीटर का रहा। त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशॉर्न वाल्कॉट अपने चौथे प्रयास में 88.16 मीटर के थ्रो के साथ टॉप पर चल रहे हैं। तीन थ्रो के बाद 11वें और 12वें नंबर पर मौजूद थ्रोअर रेस से बाहर हो चुके हैं। चौथे थ्रो के बाद नौवें और 10वें नंबर के थ्रोअर बाहर हो गए।

### पहले प्रयास में फाइनल में पहुंचे थे नीरज

एक दिन पहले क्वालिफाइंग राउंड हुआ था। इसमें 84.50 मीटर का मार्क पार करने वाले थ्रोअर को सीधा फाइनल में एंट्री मिलनी थी। नीरज ने पहले ही अटैम्प्ट में ही 84.85 मीटर के थ्रो के साथ फाइनल में जगह बना ली। अरशद को टाइम लगा। उनका पहला थ्रो 76.99 और दूसरा 74.17 मीटर का था। तीसरे थ्रो में उन्होंने 28 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। भारत के सचिन यादव ने 83.67 मीटर के बेस्ट स्कोर के साथ टॉप-12 में जगह बनाई। नीरज डिफेंडिंग वर्ल्ड चैंपियन हैं। उन्होंने 2023 में हंगरी में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में 88.17 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड जीता था। वहीं, अरशद ने पेरिस ओलिंपिक में 92.97 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड जीता था। तब नीरज ने सिल्वर जीता था।

# जैस्मिन बोलीं-10 साल की प्रैक्टिस से वर्ल्ड चैंपियन बनीं

## ओलिंपिक में गोल्ड मेडल का सपना; दुबला शरीर देख लोग बोलते थे तुम बॉक्सर हो

**भिवानी (एजेंसी)।** वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 के 57 किलोग्राम भारवर्ग में गोल्ड मेडल जीतने वाली हरियाणा के भिवानी की रहने वाली जैस्मिन लंबोरिया ने मीडिया से कहा मैंने पोलैंड की ओलिंपिक में सिल्वर मेडलिस्ट बॉक्सर को हराया तो मेरे लिए एक भावुक पल था। में बिना प्रेशर के रिंग में उतरी और जीत हासिल की। जैस्मिन ने बताया कि जब वह शुरुआत में बॉक्सिंग करती थी, तो उनका शरीर दुबला-पतला था। इसलिए लोग उसके शरीर को देखकर कहते थे कि तू भी बॉक्सर है। लेकिन उन्होंने इस तरह की बातों को अपने खेल में रोड़ा नहीं बनने दिया। करीब 9-10 साल के अभ्यास के बाद वे वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर लाई हैं। इसके अलावा, उनका सपना ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतना है।

**पोलैंड की जूलिया स्जेरेमेटा को 4-1 से हराया** - इंग्लैंड के लिवरपुल में आयोजित वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जैस्मिन लंबोरिया ने 57 किलोग्राम भारवर्ग में खेलते हुए फाइनल मुकाबले में पोलैंड की जूलिया स्जेरेमेटा को 4-1 से हराया। इससे पहले भी बॉक्सर जैस्मिन लंबोरिया ने कई अंतर्राष्ट्रीय खेलों में पदक जीते हैं। 57 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली जैस्मिन ने पेरिस 2024 ओलिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

# सिंधु ने चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

● थाईलैंड की पोर्नपावी को हराया, हॉन्गकॉन्ग ओपन में पहले राउंड में बाहर हो गई थीं



**नईदिल्ली (एजेंसी)।** पीवी सिंधु ने गुरुवार को चाइना मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। उन्होंने थाईलैंड की छठी सीड खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग को सीधे गेम में 21-15, 21-15 से हराया। यह मुकाबला मात्र 41 मिनट तक चला। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट सिंधु वर्तमान में वर्ल्ड रैंकिंग में 14वें स्थान पर हैं। इस जीत के साथ चोचुवोंग के खिलाफ अपने हेड-टु-हेड रिकॉर्ड को 6-5 कर लिया। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला टॉप सीड कोरिया की एन से यंग और डेनमार्क की मिया ब्लिकफेल्ट के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा।

**हॉन्गकॉन्ग ओपन में पहले राउंड में हो गई थीं बाहर** - सिंधु हॉन्गकॉन्ग ओपन के पहले दौर में हार कर बाहर हो गई थीं। उन्होंने चाइन मास्टर्स में जीतने के बाद कहा, चोचुवोंग एक टॉप खिलाड़ी हैं। मैंने उनके खिलाफ इंडोनेशिया ओपन में भी खेला था, तब भी मुकाबला कड़ा था। पहला गेम जीतने के बाद मैं दूसरे गेम में और सतर्क थी। सिंधु ने आगे कहा, स्कोर बराबर चल रहा था, इसलिए हर अंक के लिए करीबी टक्कर थी। मैं खुश हूं कि मैं जीती और मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। अब मुझे कल के लिए तैयारी करनी है। सीधे गेम में जीत हमेशा आत्मविश्वास देती है, लेकिन लंबे मैचों के लिए भी तैयार रहना जरूरी है और पैरों की गति को तेज रखना महत्वपूर्ण है।

**सिंधु इंडोनेशियाई कोच से ट्रेनिंग ले रही हैं** - वर्तमान में सिंधु इंडोनेशिया के पूर्व पुरुष एकल कोच इरवानसाह आदि प्रतामा के साथ प्रशिक्षण ले रही हैं,जो अब भारतीय महिला एकल कोच हैं। इस सहयोग के बारे में उन्होंने कहा,हमारा तालमेल बहुत अच्छा है। वह एक बेहतरीन कोच हैं। शुरू में हमें समय लगा, लेकिन अब हमने समझ लिया कि क्या करना है और क्या बदलाव चाहिए। एक कोच के रूप में वह अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं, और एक खिलाड़ी के रूप में मेरा भी कर्तव्य है कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूं।

# पाकिस्तान नहीं खेलता तो उसे 140 करोड़ का नुकसान होता

## एशिया कप में पाक के यूटर्न की इनसाइड स्टोरी, रेफरी की माफी पर सवाल

**यूएई (एजेंसी)।** पाकिस्तान क्रिकेट टीम एशिया कप से हटती तो टीम को करीब 140 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ता। एशिया कप में बुधवार को पाकिस्तान-यूएई मैच एक घंटे की देरी से शुरू हुआ। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि हैंडशेक विवाद से नाराज पाक टीम एशिया कप से बायकॉट करेगी। हालांकि, टीम बाद में खेलने के लिए राजी हो गई और पीसीबी ने दावा किया कि रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने माफी मागी, फिर पाकिस्तान टीम खेलने के लिए राजी हुई। लेकिन, अब तक आईसीसी या पाइक्रॉफ्ट की तरफ से इस पर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। इसके बाद पीसीबी के माफी वाले बाद पर सवाल उठ रहे हैं।

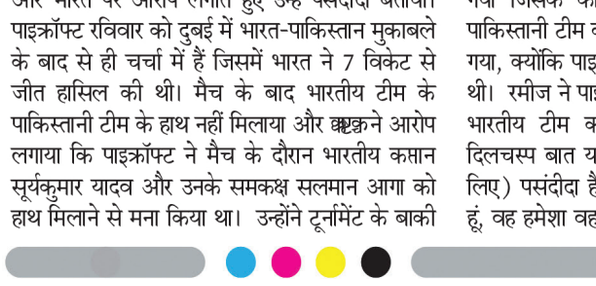



**यह था विवाद** - 14 सितंबर को पाकिस्तान का सामना भारत से हुआ था। भारतीय खिलाड़ियों ने पहलगाम हमले के विरोध में पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। पीसीबी ने भारतीय खिलाड़ियों के व्यवहार को खेल भावना के विपरीत बताया था और पाइक्रॉफ्ट पर ठीक से काम न करने का आरोप लगाया था। बोर्ड ने आईसीसी के सामने मैच रेफरी को टूर्नामेंट से बाहर करने की डिमांड रखी थी। आईसीसी ने इस मांग को खारिज कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट ने मंगलवार रात अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द कर दी। इससे पाकिस्तान के टूर्नामेंट से हटने की चर्चाओं को और हवा मिलने लगी।

**करीब 140 करोड़ का नुकसान होता** - एशियाई क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) की सालाना कमाई का 75 प्रतिशत हिस्सा पांच टेस्ट खेलने वाले देशों भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में बराबर-बराबर बांटा जाता है। यानी हर देश को 15 प्रतिशत राजस्व मिलता है। बाकी 25 प्रतिशत सहयोगी सदस्य देशों के बीच बांटा जाता है। ये कमाई ब्रॉडकास्ट राइट (टीवी और डिजिटल), स्पॉन्सर और टिकट बिक्री जैसे अलग-अलग सोर्स से आती है। अकेले इस एशिया कप से पीसीबी को करीब 12 से 16 मिलियन अमेरिकी डॉलर (140 करोड़ रुपए) की कमाई होने वाली थी। ऐसे में अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट से हटता है तो उसके लिए यह बड़ा आर्थिक झटका साबित हो सकता है। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया ने 2024 से 2031 तक आठ साल के लिए एसीसी के साथ 170 मिलियन अमेरिकी डॉलर का ब्रॉडकास्ट राइट हासिल किया है।

# पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर रमीज राजा ने एंडी पाइक्रॉफ्ट पर बोला हमला, भारत पर भी लगाए आरोप

**दुबई (एजेंसी)।** पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष रमिज राजा ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट पर तीखा हमला बोला और भारत पर आरोप लगाते हुए उन्हें पसंदीदा बताया। पाइक्रॉफ्ट रविवार को दुबई में भारत-पाकिस्तान मुकाबले के बाद से ही चर्चा में हैं जिसमें भारत ने 7 विकेट से जीत हासिल की थी। मैच के बाद भारतीय टीम के पाकिस्तानी टीम के हाथ नहीं मिलाया और [illegible]ने आरोप लगाया कि पाइक्रॉफ्ट ने मैच के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनके समकक्ष सलमान आगा को हाथ मिलाने से मना किया था। उन्होंने टूर्नामेंट के बाकी मैचों से उन्हें बाहर करने की मांग करते हुए विरोध भी दर्ज कराया जिसे आईसीसी ने अस्वीकार कर दिया। बुधवार को यूएई बनाम पाकिस्तान मैच में नया विवाद खड़ा हो गया जिसके कारण मैच में एक घंटे की देरी हुई। पाकिस्तानी टीम को होटल से बाहर न जाने के लिए कहा गया, क्योंकि पाइक्रॉफ्ट को हटाने की बार-बार मांग की थी। रमीज ने पाइक्रॉफ्ट पर सीधा हमला बोलते हुए उन्हें भारतीय टीम का पसंदीदा बताया। रमिज ने कहा, दिलचस्प बात यह है कि एंडी पाइक्रॉफ्ट (भारतीयों के लिए) पसंदीदा हैं। जब भी मैं टॉस की मेजबानी करता हूं, वह हमेशा वहां नियमित रूप से मौजूद रहते हैं।

## 3 प्लेयर्स का कटेगा पत्ता!

# इस फिनिशर की होगी वापसी; ऐसी हो सकती भारत की प्लेइंग 11

### एशिया कप में सुपर-4 की दो टीमें फाइनल

एशिया कप में बुधवार को पाकिस्तान ने यूएई को हरा दिया। इसी के साथ यह भी तय हो गया कि टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान एक बार फिर 21 सितंबर को एक-दूसरे का सामना करेंगे। ग्रुप स्टेज में भारत ने पाकिस्तान को आसानी से 7 विकेट से हरा दिया था।

### भारत-पाकिस्तान मैच फिर एक बार क्यों

पाकिस्तान ने यूएई को हराकर ग्रुप-ए से भारत के साथ सुपर-4 स्टेज में जगह बना ली। सुपर-4 में अब बाकी 2 टीमें ग्रुप-बी से आएंगी। इस राउंड में हर टीम एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी। इस कारण भारत और पाकिस्तान के बीच एक और मुकाबला तय हो गया है।

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** एशिया कप 2025 में अब सुपर-4 की तस्वीर काफी हद तक साफ होती नजर आ रही है। ग्रुप ए से भारत और पाकिस्तान ने सुपर-4 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। ऐसे में दोनों टीम अब रविवार को फिर आमने-सामने होंगी। इस बीच भारतीय टीम अपने आखिरी ग्रुप मैच में ओमान का सामना करेगी। शुक्रवार को शेख जायद स्टेडियम में होने वाले इस मैच की जीत या हार का भारत पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हालांकि, ओमान की कोशिश जीत का खाता खोलने पर होगी। वहीं भारतीय टीम अपनी बेंच स्ट्रैंथ को आजमा सकती है।

### भारतीय टीम ने जीते दोनों मुकाबले

भारत और ओमान ने टूर्नामेंट में अब तक 2-2 मैच खेले हैं। भारतीय टीम ने यूएई और पाकिस्तान को शिकस्त दी थी। वहीं ओमान को पाकिस्तान और यूएई के हाथों हार मिली। अब तक विजयी रथ पर सवार भारतीय टीम ओमान के खिलाफ प्लेइंग 11 में 3 बदलाव कर सकती है। इससे सुपर-4 और फाइनल के लिए प्लेयर तरोताजा रहेंगे।

### 7 दिन के भीतर खेल सकते 4 मैच

सुपर-4 में भारत के मुकाबले 21, 24 और 26 सितंबर को होंगे। अगर टीम फाइनल में पहुंचती है तो 28 सितंबर को भी खेलना होगा। भारत को सात दिनों के भीतर 4 मैच खेलने पड़ सकते हैं। ऐसे में टीम मैनेजमेंट कुछ प्लेयर्स को आराम दे सकता है। इनमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, ऑलराउंडर शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या हो सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो पिछले 2 मुकाबलों से पानी पिला रहे तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की अंतिम 11 में एंट्री होगी। साथ ही शिवम दुबे की जगह फिनिशर रिंकू सिंह और हार्दिक पांड्या की जगह हर्षित राणा को मौका मिला सकता है।

### भारत की संभावित प्लेइंग 11

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती।

भारतीय टीम इस प्रकार है

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

# राहुल बोले- चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा

## -गिरिराज ने कहा- वे देश में गृहयुद्ध चाहते हैं

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के बीच एक बार फिर ज़ुबानी जंग छिड़ गई है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच X (पूर्व में ट्विटर) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा – "चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा, चोरों को बचाता रहा।" इस बयान के साथ उन्होंने 37 सेकेंड की वीडियो क्लिप भी साझा की। इसके कैप्शन में राहुल ने लिखा – "सुबह 4 बजे उठो, 36 सेकेंड में 2 वोटर मिटाओ, फिर सो जाओ – ऐसे भी हुई वोट चोरी।" राहुल गांधी के इस आरोप का सीधा संबंध 18 सितंबर को हुई उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस से है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि कर्नाटक के आलंद क्षेत्र में 6,018 वोटरों के नाम मतदाता सूची से हटाने की कोशिश की गई। राहुल ने आरोप लगाया कि इस काम के लिए रात में भी चुनावी डेटा से छेड़छाड़ की गई और सुबह 4 बजे उठकर मतदाता नाम काटे गए।

**राहुल गांधी का आरोप: "वोट चोरी हो रही है"**

राहुल गांधी का कहना है कि भारत का लोकतंत्र सुनियोजित हमले का शिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि शासन और चुनावी संस्थाओं की मिलीभगत से मतदाताओं के अधिकार छीने जा रहे हैं। उनका कहना है कि: मतदाता सूची से नाम काटे जा रहे हैं – कर्नाटक के आलंद का उदाहरण देते हुए राहुल ने कहा कि हजारों लोगों का नाम हटाया गया, ताकि चुनावी नतीजों को प्रभावित किया जा सके। चुनाव आयोग पर सवाल – राहुल ने अप्रत्यक्ष तौर पर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्न उठाया और कहा कि वह सरकार के दबाव में काम कर रहा है। Gen Z और युवाओं का साथ – राहुल ने खुद को नई पीढ़ी के साथ जोड़ते हुए कहा कि वे युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं को आवाज़ दे रहे हैं, लेकिन सत्ता पक्ष इससे डरता है। उनके शब्दों में – "सुबह 4 बजे उठकर भी वोट डिलीट किए गए। यह लोकतंत्र नहीं, बल्कि लोकतंत्र की हत्या है।"

**गिरिराज सिंह का पलटवार: "फ्रस्ट्रेशन में हैं राहुल"**

राहुल गांधी के बयान पर केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा: "राहुल गांधी फ्रस्ट्रेशन में हैं, हताशा में हैं। वे कभी नरेंद्र मोदी की नकल करेंगे, कभी Gen Z की बातें करेंगे। उन्हें लगता है कि इससे वे युवाओं के हीरो बन जाएंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि देश उनकी राजनीति को नकार चुका है।" गिरिराज ने आगे कहा कि राहुल गांधी कभी-कभी "अर्बन नक्सल" की तरह बयानबाज़ी करते हैं। उनके अनुसार, राहुल देश में अस्थिरता और गृहयुद्ध जैसी स्थिति पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल झूठ और भ्रम फैलाकर चुनावी जमीन तैयार करना चाहती है, लेकिन जनता अब गुमराह नहीं होगी।

**चुनावी राजनीति में "वोटर लिस्ट" विवाद क्यों अहम?**

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में मतदाता सूची की विश्वसनीयता बेहद अहम है। अगर लाखों-हजारों लोगों के नाम बिना उचित कारण हट जाते हैं, तो यह सीधे-सीधे चुनावी नतीजों को प्रभावित कर सकता है। राहुल गांधी और विपक्ष लगातार इस मुद्दे को उठा रहे हैं कि मतदाता सूची में गड़बड़ियां बढ़ रही हैं। वहीं, सत्ता पक्ष का कहना है कि यह सब नियमित संशोधन प्रक्रिया का हिस्सा है, ताकि "फर्जी वोट" या "दोहराव" हटाए जा सकें।

राहुल बनाम बीजेपी: आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति

यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी और बीजेपी आमने-सामने आए हों। 2019 के चुनावों में राहुल ने नारा दिया था – "चौकीदार चोर है", जिस पर बीजेपी ने पलटवार करते हुए पूरे देश में "मैं भी चौकीदार" अभियान चलाया था। अब एक बार फिर राहुल ने "चौकीदार" शब्द का इस्तेमाल कर प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोला है। बीजेपी मानती है कि राहुल गांधी बार-बार एक ही पुराने मुद्दे दोहराते हैं, जबकि जनता उनसे ठोस विकल्प और नीतियां चाहती है।

**युवाओं और सोशल मीडिया की भूमिका**

राहुल गांधी हाल के दिनों में लगातार Gen Z और सोशल मीडिया एक्टिविज़्म पर जोर दे रहे हैं। वे युवाओं की भाषा, उनके मुद्दे और उनकी भावनाओं को पकड़ने की कोशिश में लगे हैं। यही वजह है कि उन्होंने वीडियो क्लिप और X पोस्ट के जरिए सीधे डिजिटल माध्यम से अपनी बात रखी। दूसरी ओर बीजेपी का कहना है कि राहुल सिर्फ "वायरल राजनीति" कर रहे हैं, असल मुद्दों पर काम करने के बजाय केवल आरोप-प्रत्यारोप में उलझे हैं। राहुल गांधी का आरोप और गिरिराज सिंह का पलटवार यह दिखाता है कि भारत की चुनावी राजनीति में मतदाता सूची और चुनाव आयोग की भूमिका अब बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनती जा रही है। विपक्ष का कहना है कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ी लोकतंत्र पर हमला है। सत्ता पक्ष इसे विपक्ष की "हताशा और निराशा" बता रहा है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि चुनाव आयोग इस पर क्या रुख अपनाता है और क्या सचमुच मतदाता सूची से नाम हटाने की घटनाएं केवल तकनीकी प्रक्रिया हैं या फिर इनमें कोई गहरी साज़िश छुपी है।

# उत्तराखंड और हिमाचल में कुदरत का कहर: बादल फटने और लैंडस्लाइड से तबाही

## -चमोली: 16 घंटे बाद मलबे से निकला जिंदा शख्स

नई दिल्ली। भारत का पर्वतीय क्षेत्र हिमालय प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन के लिए मशहूर है, लेकिन यही इलाका प्राकृतिक आपदाओं का सबसे ज्यादा शिकार भी बनता है। पिछले दिनों उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में हुई भारी बारिश, बादल फटने और लैंडस्लाइड ने एक बार फिर इसकी पुष्टि कर दी। इन घटनाओं ने न केवल सैकड़ों लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया बल्कि बुनियादी ढांचे को भी गंभीर नुकसान पहुँचाया।

**चमोली: 16 घंटे बाद मलबे से निकला जिंदा शख्स**

उत्तराखंड के चमोली जिले के नंदनगर इलाके में 18 सितंबर की रात बादल फटा। तेज़ बारिश और भारी बहाव के कारण अचानक मलबा गांवों पर टूट पड़ा। इस आपदा में 14 लोग लापता हो गए और कई लोग मलबे में दब गए। राहत और बचाव कार्य रातभर जारी रहा। आश्चर्यजनक रूप से 16 घंटे बाद एक व्यक्ति को मलबे से जिंदा बाहर निकाला गया। यह घटना लोगों के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं थी। इस इलाके में लगभग 200 लोग प्रभावित हुए हैं। 35 से ज्यादा मकान क्षतिग्रस्त हुए और कई परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करना पड़ा। फिलहाल प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमें लगातार प्रभावित इलाकों में राहत कार्य कर रही हैं।

**मसूरी-देहरादून रोड पर संकट**

भारी बारिश और भूस्खलन के कारण देहरादून-मसूरी रोड भी क्षतिग्रस्त हो गई है। इस रोड पर आए दिन लैंडस्लाइड की घटनाएं देखने को मिल रही हैं, जिससे आम लोगों और पर्यटकों की आवाजाही प्रभावित हुई है। मसूरी में इस समय करीब 2 हजार टूरिस्ट मौजूद थे, जिन्हें सुरक्षित स्थानों पर रखा गया है। प्रशासन की ओर से उन्हें हर संभव मदद उपलब्ध करवाई जा रही है।

**हिमाचल में बादल फटा और लैंडस्लाइड**

उत्तराखंड के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश भी इस बार मानसून की मार से अछूता नहीं रहा। किन्नौर जिले के थाच गांव में गुरुवार देर रात बादल फटा। तेज़ पानी और मलबे में दो गाड़ियां बह गईं। लोग घबराहट में रातों-रात घरों से निकलकर सुरक्षित स्थानों पर चले गए। इसी तरह, शिमला के एडवर्ड स्कूल के पास भी भूस्खलन हुआ। इस वजह से शहर की लाइफलाइन मानी जाने वाली सर्कुलर रोड बंद कर दी गई है। स्थिति को देखते हुए एडवर्ड स्कूल में दो दिनों की छुट्टी घोषित करनी पड़ी। वहीं कुमारसैन के करेवथी क्षेत्र में तीन मंजिला मकान जमीन में धंस गया।

**बारिश से बढ़ता मौत का आंकड़ा**

हिमाचल प्रदेश में इस साल बाढ़ और बारिश से अब तक 424 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा बताता है कि राज्य किस गंभीर आपदा से गुजर रहा है। सैकड़ों घर ढह चुके हैं, सड़कें टूट गई हैं और कई गांवों का संपर्क भी कट गया है।

**उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश पर भी असर**

इस आपदा का असर सिर्फ उत्तराखंड और हिमाचल तक सीमित नहीं रहा। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में रिहंद बांध इस साल पांचवीं बार ओवरफ्लो हुआ है। इससे आसपास के इलाकों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। वहीं कौशांबी जिले में बिजली गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई। मध्य प्रदेश में भी बारिश का प्रभाव देखने को मिला। इस मानसून सीजन में यहां औसतन 1097.28 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य बारिश से 187.96 मिलीमीटर ज्यादा है। गुना जिले में सबसे ज्यादा 1651 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि खरगोन में सबसे कम 665.48 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

**कुदरत का संदेश और सावधानी**

इन घटनाओं से साफ है कि हिमालयी राज्यों में मानसून के दौरान आपदा का खतरा हमेशा बना रहता है। बादल फटना, लैंडस्लाइड और भूस्खलन यहां आम बात है। इसका कारण सिर्फ प्राकृतिक परिस्थितियां ही नहीं, बल्कि अनियंत्रित निर्माण कार्य और वनों की कटाई भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण अब बादल फटने और अचानक बारिश की घटनाएं और भी तेज़ी से बढ़ रही हैं। सरकार और स्थानीय प्रशासन को चाहिए कि वे आपदा प्रबंधन के लिए पहले से ठोस तैयारी रखें। साथ ही, पर्वतीय इलाकों में निर्माण कार्यों पर सख्त नियंत्रण हो और लोगों को आपदा के समय सतर्क रहने की ट्रेनिंग दी जाए। उत्तराखंड और हिमाचल की ताजा घटनाएं एक बड़ी चेतावनी हैं। पहाड़ों की गोद में बसे गांव और शहर खूबसूरत तो हैं, लेकिन जरा सी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए ज़रूरी है कि सरकार, प्रशासन और आम लोग मिलकर इन इलाकों में सुरक्षित जीवन और विकास की दिशा में कदम बढ़ाएं। तभी कुदरत के इस कहर को कम किया जा सकता है और भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बड़ी संख्या में जानें बचाई जा सकती हैं।

# DUSU चुनाव परिणाम 2025 : ABVP का जलवा, आर्यन मान बने प्रेसिडेंट

नई दिल्ली। दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन (DUSU) चुनाव के नतीजे आ गए हैं और एक बार फिर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) ने शानदार प्रदर्शन किया है। ABVP के उम्मीदवार आर्यन मान ने प्रेसिडेंट पद पर जीत हासिल की है। इसके साथ ही सचिव और जॉइंट सेक्रेटरी के पद पर भी ABVP के उम्मीदवार विजयी रहे हैं। जबकि वाइस-प्रेसिडेंट पद पर NSUI के राहुल झांझला ने जीत दर्ज की है।

**चुनावी प्रक्रिया और उम्मीदवार**

DUSU चुनाव को दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्र राजनीति का सबसे अहम इवेंट माना जाता है। इस बार चुनाव 18 सितंबर को दो शिफ्ट में हुए। कुल मिलाकर हजारों छात्रों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

प्रेसिडेंट पद के लिए कुल 21 उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें मुख्य मुकाबला तीन चेहरों के बीच देखा गया—

ABVP से आर्यन मान, NSUI से जोशलिन नंदिता चौधरी, लेफ्ट यूनियन से अंजलि

इनके अलावा अन्य स्वतंत्र उम्मीदवार भी चुनाव में उतरे, लेकिन असली जंग ABVP और NSUI के बीच रही।

**परिणाम और माहौल**

गिनती पूरी होने के बाद सबसे पहले प्रेसिडेंट पद का नतीजा आया, जिसमें ABVP के आर्यन मान को निर्णायक बढ़त मिली और उन्होंने जीत हासिल की। जैसे ही यह खबर सामने आई, ABVP समर्थकों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में जोरदार जश्न मनाया। ढोल-नगाड़ों, पटाखों और नारेबाजी के बीच समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाई। वाइस प्रेसिडेंट पद पर NSUI के राहुल झांझला की जीत विपक्षी खेमे के लिए राहत लेकर आई। सचिव और जॉइंट सेक्रेटरी पदों पर ABVP का कब्जा होना यह दर्शाता है कि संगठनात्मक स्तर पर ABVP की पकड़ अब भी मज़बूत है।

**ABVP और NSUI की रणनीति**

इस बार के चुनाव में ABVP ने "नेशन फर्स्ट, स्टूडेंट फर्स्ट" का नारा दिया। कैंपस की सुरक्षा, नई छात्राओं के लिए सुरक्षित माहौल, हॉस्टल सुविधाओं में सुधार और सस्ती कैंटीन जैसी मांगों को मुख्य मुद्दा बनाया गया। वहीं NSUI ने बेरोजगारी, शिक्षा की बढ़ती फीस और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों को उठाया। उनका दावा था कि छात्र हितों के लिए वास्तविक लड़ाई वही लड़ सकते हैं। लेफ्ट संगठनों ने कैंपस में लोकतांत्रिक माहौल, समान अवसर और सांस्कृतिक विविधता को अपना एजेंडा बनाया।

**ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और महत्व**

DUSU चुनाव सिर्फ छात्र राजनीति तक सीमित नहीं रहते, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति पर भी असर डालते हैं। यहां से निकलने वाले कई छात्र नेता आगे चलकर राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय राजनीति में अहम भूमिका निभाते हैं। यही कारण है कि सभी बड़े दल इन चुनावों को गंभीरता से लेते हैं और अपने-अपने छात्र संगठनों को सक्रिय समर्थन देते हैं। इस बार भी चुनाव में राजनीतिक दलों की दिलचस्पी साफ दिखी। ABVP की जीत को बीजेपी समर्थक छात्र राजनीति की बड़ी सफलता माना जा रहा है। वहीं NSUI ने वाइस प्रेसिडेंट पद जीतकर यह संदेश देने की कोशिश की है कि उनका संघर्ष जारी रहेगा।

**आर्यन मान की प्रतिक्रिया**

जीत के बाद प्रेसिडेंट बने आर्यन मान ने कहा— "यह जीत सिर्फ मेरी नहीं बल्कि दिल्ली विश्वविद्यालय के हर उस छात्र की है, जिसने बदलाव पर भरोसा जताया। हमारी प्राथमिकता छात्रों की समस्याओं का हल निकालना और बेहतर कैंपस माहौल बनाना होगा।" उनका यह बयान इस ओर संकेत करता है कि वे छात्र हितों के मुद्दों पर सक्रियता दिखाएंगे।

# नेपाल में "जीरो स्टेट" की स्थिति: सिंह दरबार अग्निकांड के बाद शासन व्यवस्था का संकट

## -नई प्रधानमंत्री का ऐलान – "हम शून्य स्थिति में हैं"

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल की राजधानी काठमांडू के सिंह दरबार परिसर में 9 सितंबर को हुई भीषण आग ने पूरे देश की प्रशासनिक रीढ़ तोड़ दी है। यह आगजनी इतनी भयावह थी कि 20 से अधिक मंत्रालयों, संसद, भ्रष्टाचार निरोधक विशेष अदालत और कई संवैधानिक संस्थाओं के दफ्तर पलभर में राख के ढेर में तब्दील हो गए।

**नई प्रधानमंत्री का ऐलान – "हम शून्य स्थिति में हैं"**

नेपाल की नई अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने जैसे ही शपथ ली, उन्होंने देश की स्थिति पर ऐतिहासिक बयान दिया— "हम शून्य स्थिति (जीरो स्टेट) में हैं। हमारे पास मंत्रिमंडल तो है, लेकिन मंत्रालयों के पास न इमारतें बची हैं और न ही आवश्यक दस्तावेज।" यह बयान उस गहरी हताशा और वास्तविकता को दर्शाता है जिसमें नेपाल इस समय फंसा हुआ है। शासन का ढांचा कागज़ों, भवनों और संस्थागत संरचना पर ही टिका होता है, लेकिन सिंह दरबार अग्निकांड ने इसे पूरी तरह से खत्म कर दिया।

**सिंह दरबार – इतिहास से वर्तमान तक**

सिंह दरबार कोई साधारण इमारत नहीं थी। यह 19वीं सदी में राणा शासन काल का भव्य महल था, जिसे बाद में सरकारी कार्यों का केंद्र बनाया गया। यहां नेपाल के लगभग सभी महत्वपूर्ण मंत्रालय और विभाग संचालित होते थे। संसद की बैठकें, नीति निर्धारण और अंतरराष्ट्रीय समझौतों की प्रक्रिया भी यहीं से होती थी। लेकिन अब इसकी भव्यता मलबे और राख में बदल चुकी है।

**राख में बदले अहम दस्तावेज**

इस आगजनी की सबसे बड़ी त्रासदी केवल इमारतों का ढहना नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की जिंदगी से जुड़े दस्तावेजों का जल जाना है। लाखों नागरिकों के जन्म प्रमाण पत्र और राष्ट्रीय रजिस्ट्रेशन फाइलें नष्ट हो गईं। कंपनियों के पंजीकरण दस्तावेज, लाइसेंस और कर रिकॉर्ड जलकर खाक हो गए। नेपाल के कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों और कूटनीतिक अभिलेखों की मूल प्रतियां राख हो गईं। अकेले सुप्रीम कोर्ट की 60 हजार से ज्यादा फाइलें जलने की खबर है, जिसमें ऐतिहासिक फैसले और लंबित मुकदमों का पूरा रिकॉर्ड था। इस तरह यह सिर्फ एक भवन का नुकसान नहीं बल्कि पूरे प्रशासनिक ढांचे का ध्वंस है।

**जनता और Gen-Z आंदोलन की भूमिका**

नेपाल पिछले कई महीनों से Gen-Z आंदोलन की आग में झुलस रहा है। नई पीढ़ी भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और अक्षमता के खिलाफ सड़कों पर है। लोग पारंपरिक राजनीतिक दलों से मोहभंग कर चुके हैं। माना जा रहा है कि सिंह दरबार में लगी आग महज दुर्घटना नहीं बल्कि असंतोष का परिणाम भी हो सकती है। जनता का गुस्सा इस कदर भड़क उठा कि सरकारी संपत्तियों को बचाने का मौका ही नहीं मिला। प्रदर्शनकारियों के निशाने पर वह प्रतीकात्मक संरचना थी, जिसे वे भ्रष्ट और अक्षम शासन का गढ़ मानते थे।

**शासन व्यवस्था पर खतरा**

नेपाल अब जिस स्थिति में है, उसे "जीरो स्टेट" कहना उचित ही है। कोई मंत्रालय कामकाज शुरू नहीं कर पा रहा क्योंकि रिकॉर्ड ही नहीं बचे। सरकारी कर्मचारी बिना दस्तावेजों के फैसले लेने में असमर्थ हैं। नागरिक सेवाएं ठप हो चुकी हैं। पासपोर्ट, नागरिकता प्रमाण पत्र, कंपनी पंजीकरण जैसी मूलभूत सेवाएं भी रुक गई हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेपाल की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग गया है, क्योंकि समझौतों और संधियों की मूल फाइलें नष्ट हो चुकी हैं।

**आगे की चुनौतियां**

प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के सामने यह अब तक की सबसे बड़ी चुनौती है। उन्हें प्रशासनिक ढांचा शून्य से खड़ा करना होगा। डिजिटल बैकअप की कमी – नेपाल में अधिकतर सरकारी रिकॉर्ड अभी भी कागज पर आधारित थे। डिजिटलाइजेशन अधूरा था, जिसकी वजह से दस्तावेजों का कोई सुरक्षित बैकअप नहीं बचा। जनता का विश्वास – जब लोग पहले से ही शासन से नाराज हों और वे देखें कि राज्य का पूरा ढांचा राख हो गया, तो उनका भरोसा बहाल करना कठिन होगा। अंतरराष्ट्रीय सहयोग – नेपाल को अब दस्तावेजों की पुनर्संरचना और प्रशासनिक व्यवस्था पुनर्निर्माण के लिए विदेशी मदद की आवश्यकता होगी।

# ट्रम्प बोले- मोदी से नज़दीक़ी के बावजूद रूस से तेल खरीद पर भारत पर बैन लगाना पड़ा

लंदन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बड़ा बयान दिया है। गुरुवार को लंदन में ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि वे भारत और मोदी के बहुत क़रीब हैं, उनके साथ व्यक्तिगत रिश्ते बहुत मज़बूत हैं। इसके बावजूद उन्हें रूस से तेल खरीदने की वजह से भारत पर प्रतिबंध लगाना पड़ा। यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत और अमेरिका के बीच नई ट्रेड डील को लेकर बातचीत की संभावनाएं गर्म हैं।

**मोदी से व्यक्तिगत रिश्तों पर ज़ोर**

ट्रम्प ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि वे हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी से बात कर चुके हैं। उन्होंने मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं, जिस पर मोदी ने भी उन्हें बहुत सुंदर जवाब भेजा। ट्रम्प ने कहा—"हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं, लेकिन रूस से तेल खरीदना अमेरिका की रणनीति के खिलाफ है, इसलिए मजबूरी में प्रतिबंध लगाने पड़े।" इस बयान से साफ़ झलकता है कि ट्रम्प निजी स्तर पर मोदी के साथ तालमेल बनाए रखना चाहते हैं, लेकिन वैश्विक राजनीति और आर्थिक हितों के चलते उन्हें कठोर फैसले लेने पड़ रहे हैं।

**रूस से तेल खरीद पर अमेरिका का सख्त रुख**

ट्रम्प ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ़ कहा कि रूस से तेल खरीदना व्लादिमीर पुतिन को आर्थिक ताकत देता है। उनका कहना था कि जब यूरोपीय देश, चीन और भारत जैसे बड़े आयातक रूस से कच्चा तेल खरीदते हैं तो अमेरिका की कोशिशें कमजोर हो जाती हैं। उन्होंने दोहराया कि उन्होंने यूरोपीय देशों और चीन पर भी बैन लगाए हैं और भविष्य में और कड़े कदम उठाने को तैयार हैं। यहां ट्रम्प का संकेत स्पष्ट था कि अगर सहयोगी देश रूस के साथ व्यापार जारी रखते हैं तो अमेरिका को अपनी सुरक्षा और वैश्विक दबदबे के लिए कठोर कदम उठाने ही होंगे।

**चीन पर भी वार**

ट्रम्प ने अपने बयान में चीन का विशेष तौर पर ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि चीन इस समय अमेरिका पर बहुत बड़े टैरिफ लगा रहा है। "मैं और भी कदम उठाने को तैयार हूं, लेकिन तब नहीं जब मेरे साथी देश रूस से तेल खरीद रहे हों," ट्रम्प ने कहा। इससे यह भी संकेत मिला कि अमेरिका की रणनीति अब केवल सैन्य दबाव तक सीमित नहीं है बल्कि वह आर्थिक मोर्चे पर भी अपने विरोधियों को चुनौती देने में पीछे नहीं हटेगा।

**भारत-अमेरिका रिश्तों पर असर**

विशेषज्ञों का मानना है कि यह बयान भारत-अमेरिका रिश्तों के लिए एक दोहरी स्थिति पैदा करता है। एक ओर ट्रम्प मोदी से अपनी नज़दीक़ी और दोस्ताना रिश्ते को सार्वजनिक कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर रूस से तेल सौदे को लेकर प्रतिबंध लगाना भारत के लिए आर्थिक और कूटनीतिक चुनौती बन सकता है।

भारत अपनी ऊर्जा ज़रूरतों का बड़ा हिस्सा रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदकर पूरा करता है।

# रूस के कामचटका में 7.8 तीव्रता का भूकंप: सुनामी का अलर्ट जारी

## -आफ्टरशॉक और सुनामी अलर्ट से मची दहशत

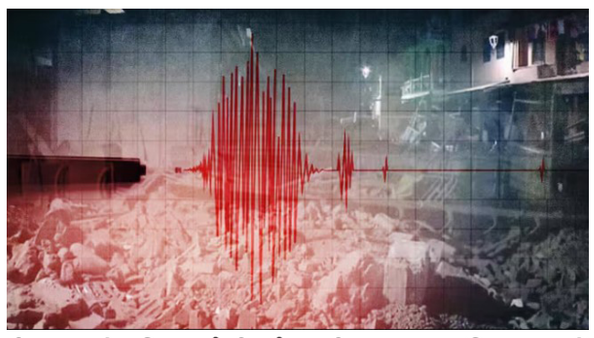

मोस्को (एजेंसी)। रूस का कामचटका प्रायद्वीप दुनिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखीय और भूकंपीय क्षेत्रों में से एक माना जाता है। यहां शुक्रवार सुबह एक बार फिर धरती इतनी जोर से हिली कि लोगों में अफरा-तफरी मच गई। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) के अनुसार इस भूकंप की तीव्रता 7.8 मापी गई और इसका केंद्र जमीन से महज़ 10 किलोमीटर की गहराई पर था। झटके राजधानी पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से लगभग 128 किलोमीटर दूर दर्ज किए गए।

**आफ्टरशॉक और सुनामी की चेतावनी**

मुख्य भूकंप के तुरंत बाद पांच आफ्टरशॉक महसूस किए गए जिनकी तीव्रता 5.8 के आसपास रही। भूकंप के बाद तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई। वैज्ञानिकों के अनुसार समुद्र में 30 से 62 सेंटीमीटर तक ऊंची लहरें उठीं, हालांकि फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। तटवर्ती इलाकों में पुलिस, बचाव दल और आपदा प्रबंधन की टीमें हाई अलर्ट पर हैं।

**गवर्नर का बयान**

कामचटका के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने कहा कि क्षेत्र की सभी आपातकालीन सेवाएं तैयार हैं। लोगों को सतर्क रहने और अफवाहों से दूर रहने की सलाह दी गई है। अभी तक किसी भी तरह के बड़े नुकसान या जनहानि की खबर सामने नहीं आई है, लेकिन प्रशासन लगातार हालात पर नज़र बनाए हुए है।

**लगातार बड़े झटके**

गौरतलब है कि बीते तीन महीनों में यह चौथा बड़ा भूकंप है जिसकी तीव्रता 7.0 से अधिक दर्ज की गई है। इससे साफ है कि कामचटका का इलाका इस समय भूकंपीय गतिविधियों के मामले में बेहद संवेदनशील दौर से गुजर रहा है। भूवैज्ञानिक विशेषज्ञों के अनुसार, प्रशांत महासागर की "रिंग ऑफ फायर" बेल्ट में स्थित यह इलाका लगातार प्लेट टेक्टॉनिक गतिविधियों का सामना करता है।

**सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो**

सोशल मीडिया पर लोगों ने भूकंप के कई वीडियो शेयर किए हैं। इन वीडियो में घरों के भीतर फर्नीचर, पंखे और लाइटें जोर-जोर से हिलते हुए दिखाई दे रहे हैं। सड़क पर खड़ी गाड़ियां भी झटकों से हिलती हुई नज़र आईं। कई लोग डर के मारे घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए और सुरक्षित स्थानों की ओर भागे।

**वैज्ञानिकों की राय**

रूसी स्टेट जियोफिजिकल सर्विस ने बाद में जानकारी दी कि शुरुआती 7.8 तीव्रता वाले भूकंप की शक्ति घटकर 7.4 मापी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी उथली गहराई (10 किलोमीटर) पर आए भूकंप का असर अधिक महसूस होता है। यही कारण है कि झटके बेहद तेज और खतरनाक प्रतीत हुए। हालांकि समुद्र में ज्यादा ऊंची लहरें नहीं उठीं जिससे बड़े पैमाने पर सुनामी के खतरे से फिलहाल राहत मिली है।

**कामचटका की भौगोलिक स्थिति**

कामचटका प्रायद्वीप रूस के सुदूर पूर्व में स्थित है और यह क्षेत्र ज्वालामुखियों के लिए मशहूर है। यहां 300 से अधिक ज्वालामुखी हैं जिनमें से लगभग 30 सक्रिय माने जाते हैं। इस क्षेत्र की आबादी अपेक्षाकृत कम है, लेकिन प्राकृतिक आपदाओं का खतरा हमेशा बना रहता है। 1952 में आए 9.0 तीव्रता के भूकंप ने इस इलाके में भारी तबाही मचाई थी।

**आम जनता पर असर**

भूकंप के कारण कामचटका के कई इलाकों में लोग पूरी रात दहशत में रहे। हालांकि बिजली-पानी की आपूर्ति सामान्य बनी रही। प्रशासन ने एहतियातन स्कूलों और सरकारी कार्यालयों को अस्थायी तौर पर बंद रखने का फैसला किया है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ठहरने और जरूरी सामान तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। कामचटका का यह भूकंप एक बार फिर यह याद दिलाता है कि प्राकृतिक आपदाओं पर मानव का नियंत्रण नहीं है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,